21- FEB - MAIN KORBA- p1_page1.qxd 2/21/2020 11:29 PM Page 1

बिलासपुर, शनिवार, 22 फरवरी 2020 फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी वर्ष : 19, अंक : 325 पृष्ठ : 10+4+4 = 18 मूल्य : 4.00 ** haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर में निकली शिवजी की बारात

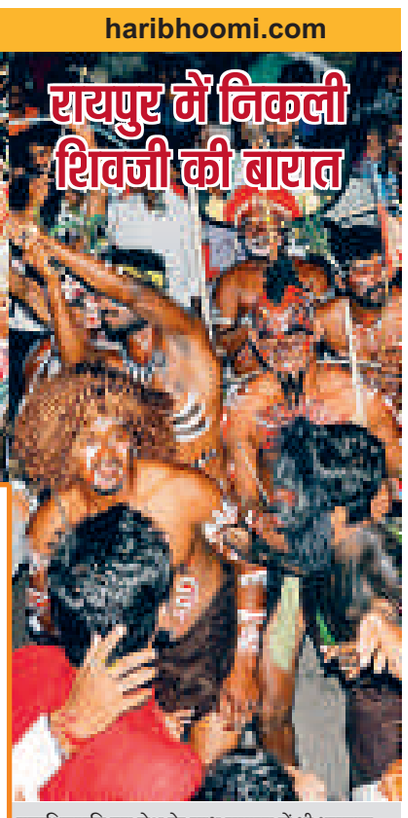

महाशिवरात्रि पर देश के साथ रायपुर में भी भगवान शिव की अराधना में लोग डूबे रहे। शिवजी-पार्वती के ब्याह प्रसंग और बारात का सजीव चित्रण भी किया गया। शहर के कई इलाकों में अनूठे तरीके से शिवजी की बारात निकाली गई। अराधना के इस पर्व पर शिवालयों में खासी भीड़ रही। विशेष पूजा-अर्चना के साथ भोग-भंडारे का भी दौर देर शाम तक जारी रहा।

अपमान की गठरी और शहीद की अस्थियों की पोटली लेकर 3 बरस से घूम रही बूढ़ी मां की आंखें पथराईं, न स्मारक बना और न मूर्ति लगी

स्कूल का नामकरण का प्रस्ताव तीन बार भेजा, कार्यवाही आगे नहीं बढ़ी, स्मारक भी अधूरा

राहुल शर्मा ▶▶| राजनांदगांव

अलग खबर

दुश्मनों से लोहा लेने के दौरान शहीद हुए बेटे की कहानी सुनाते एक बूढ़ी मां का सीना जरूर चौड़ा हो जाता है, लेकिन बेटे की याद में स्मारक बनाने की चाह लिए पिछले तीन साल से शासन-प्रशासन के चक्कर कांट रही बूढी मां की आस अब टूटने लगी है। तीन साल में आसूं का ▶▶ शेष पेज 4 पर

मां की इच्छा बेटे के नाम स्कूल

शहीद जवान की मां सांवली बाई की इच्छा है कि गांव में स्थित स्कूल का नाम उसके बेटे के नाम से हो। वही उसके सम्मान में एक स्मारक बना दिया जाए। शहीद की बूढ़ी माँ ने बताया कि पुलिस विभाग के कुछ अधिकारियों ने उसे बताया था कि जिस दिन भी शहीद के नाम का स्मारक गांव में बनाया जाएगा, उसी स्मारक में शहीद की अस्थियों को डाल देना।

अधूरा बनाकर छोड़ दिया स्मारक

गांव में प्रशासन द्वारा स्मारक तो बनाया गया। लेकिन इसे अधूरा बनाया गया है। खबर है कि बजट नही होने के बाद शहीद की मूर्ति तक ▶▶ शेष पेज 4 पर

लिखा पत्र

संबंधित विभाग ने स्मारक और स्कूल के नामकरण के लिए जिला कलेक्टर को पत्र लिख दिया है। -गोरखनाथ बघेल, एएसपी

नहीं चाहिए श्री फल और साल

हर साल 15 अगस्त और 26 जनवरी को शहीद के सम्मान में श्रीफल और साल भेंट किया जाता है। इसकी मुझे जरूरत नही है। बस मेरे बेटे को सम्मान मिले, मेरी यही इच्छा है।

-सांवली बाई, शहीद बेटे की मां

inh 24x7 छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल

सरगुजा की दिवंगत राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की स्मृति विशेष देखें पेज 7 पर

खबर संक्षेप

सेना भवन में एक छत के नीचे होंगे 6014 ऑफिस

नई दिल्ली। दिल्ली में सेना के नए भवन का भूमि पूजन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया। लगभग 7.5 लाख वर्ग मीटर में बनने वाले इस सेना भवन में 6014 ऑफिस होंगे, जिसमें 1684 सैन्य और असैनिक अधिकारियों के लिए और 4330 उप-कर्मचारियों के लीए होंगे।

छोटे बच्चों का आधार बनवाना हुआ आसान

नई दिल्ली। सरकारी संस्था यूआईडीएआई ने ट्वीट कर बताया कि अगर आपका बच्चा 5 साल से छोटा है तो उसका जन्म प्रमाण पत्र या हॉस्पिटल का डिस्चार्ज स्लिप या कार्ड से उसका आधार बनवा सकते हैं।

एयरसेल-मैक्सिस की जांच 4 मई तक पूरी हो

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए सीबीआई और ईडी को चार मई तक का वक्त दे दिया। ईडी ने विशेष न्यायाधीश अजय कुमार कुहाड़ को बताया कि इस मामले में चार देशों को अनुरोध पत्र भेजे गए हैं।

बमबारी के जवाब में मार गिराया पाक सैनिक

जम्मू। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से की गए सीजफायर उल्लंघन का मुंहतोड़ जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान की कई चौकियां तबाह हो गईं हैं और पाक का एक जवान ढेर हो गया।

हरिभूमि रंगारंग

नजरिया

धान खरीदी ने तोड़ा रिकार्ड, पर ढाई लाख बढ़े किसानों से बिगड़ी बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2019-20 में राज्य सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जितना धान खरीदा है, उतना पिछले तीन साल या उससे पहले कभी नहीं खरीदा गया, लेकिन इस सीजन में धान खरीदी को लेकर व्यवस्था इसलिए भी प्रभावित रही कि 2500 रुपए प्रति क्विंटल के फेर में राज्य में पहली बार पिछले साल के मुकाबले ढाई लाख से अधिक नए किसानों ने पंजीयन कराया। राज्य में पहली बार 18 लाख 20 हजार किसानों ने धान बेचा है। यही नहीं, राज्य के 27 में से 22 जिलों में पिछले तीन साल के औसत से अधिक धान खरीदा गया है। इसके बावजूद धान बेचने से वंचित किसानों ने मोर्चा खोल रखा है। शुक्रवार को बीजापुर और कवर्धा में किसान सड़कों पर उतर आए।

प्रदेश में इस साल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 85 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य सरकार ने रखा था। अब तक हुई खरीदी इस लक्ष्य के ▶▶ शेष पेज 4 पर

कवर्धा-बीजापुर में सड़क पर उतरे किसान, भाजपा का आज राज्यभर में प्रदर्शन

22 जिलों में तीन साल के औसत से अधिक धान

प्रदेश के 27 में से 22 जिलों में इस बार जितना धान खरीदा गया है, वह तीन साल के औसत से अधिक है। जिन जिलों में अधिक धान खरीदा गया है, उनमें ये जिले शामिल हैं- बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, सुकमा, बिलासपुर, जांजगीर चांपा, मुंगेली, रायगढ़, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, जशपुर, कोरिया। इन जिले में पिछले तीन साल के औसत से कम धान खरीदा गया है, उनमें कोरबा, दुर्ग, बलरामपुर, सरगुजा और सूरजपुर शामिल हैं।

रिकार्ड तोड़ खरीदी

छत्तीसगढ़ में इस साल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 82 लाख, 80 हजार 620.61 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। इससे पहले 2018-19 में 80 लाख 37 हजार, 2017-18 में 56 लाख 88 हजार 2016-17 में 69 लाख 58 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा गया था। राज्य में इस सीजन में धान बेचने के लिए 19 ▶▶ शेष पेज 4 पर

धान खरीदी बंद होने पर किसान विरोध में

राज्य सरकार ने 1 दिसंबर 2019 से धान खरीदी शुरू की थी, जो 20 फरवरी तक जारी रही। इस अवधि में जिन किसानों को धान बेचना था, वे बेच आए, लेकिन अभी भी कुछ जिलों में किसान धान खरीदने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बताया गया है कि बस्तर संभाग के बीजापुर में शुक्रवार को किसान सड़क पर उतरे, इन्होंने स्टेट हाईवे पर चक्का जाम किया। इसी तरह कवर्धा में किसानों ने गुरुवार से चक्काजाम कर रखा है, यह विरोध अभी भी जारी है। बताया गया है कि रायपुर जबलपुर मार्ग पर चक्काजाम चल रहा है।

भाजपा बोलेगी हल्ला

इधर, भाजपा ने किसान मोर्चा के बैनर तले शनिवार को प्रदेशभर में धान खरीदी को लेकर हल्ला बोल कार्यक्रम तय किया है। इसमें 29 संगठन जिलों में भाजपा नेता धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह और रामसेवक पैकरा अंबिकापुर, राष्ट्रीय महासचिव सरोज पांडेय और सांसद विजय बघेल दुर्ग, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक बेमेतरा, प्रदेशाध्यक्ष विक्रम उसेंडी बालोद और राजधानी में विधायक बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व मंत्री राजेश मूणत धरना, प्रदर्शन में शामिल होंगे। धरना-प्रदर्शन के बाद राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बैकफुट पर आई कमलनाथ सरकार ने वापस लिया ऑर्डर

नसबंदी के टारगेट' पर विवाद, निदेशक को हटाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार के नसबंदी को लेकर जारी किए गए फरमान के बाद बवाल मच गया। विवाद शुरू होने के बाद राज्य सरकार ने जहां ऑर्डर को वापस ले लिया है वहीं ऑर्डर जारी करने वाली राज्य में नेशनल हेल्थ मिशन की निदेशक छवि भारद्वाज को पद से हटाकर उन्हें राज्य सचिवालय में ओएसडी नियुक्त कर दिया गया है। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑर्डर को वापस ले लिया है। सरकार के आदेश के बाद एमपीडब्ल्यू ▶▶ शेष पेज 4 पर

क्या था आदेश

ज्ञात हो कि कमलनाथ सरकार द्वारा जारी ऑर्डर में सरकार ने स्वास्थ्य कर्मचारियों को पुरुषों की नसबंदी को लेकर टारगेट दिया था। इसमें कहा गया था कि अगर वह टारगेट को पूरा नहीं कर सकेंगे तो उनकी सैलरी काटी जाएगी और अनिवार्य रिटायरमेंट भी दिया जा सकता है। प्रत्येक कर्मी को हर महीने 5 से 10 पुरुषों की नसबंदी का ऑपरेशन करने का टारगेट दिया गया था।

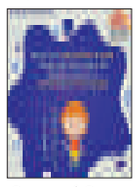

इमरजेंसी में इनके गुरु कौन थे : भाजपा

इस आदेश के बाद भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि इमरजेंसी के समय कमलनाथ जी के गुरू कौन थे पता है न कहने की जरूरत नहीं है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान तथा भाजपा प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने कहा कि नसबंदी के मामले में ऐसा लग रहा है कि मप्र में आपातकाल लगा हो और संजय गांधी की चौकड़ी अपने नियम बनाकर शासन चलाने का प्रयास कर रही हो। जनसंख्या नियंत्रण गुंडई से नहीं होनी चाहिए।

पुल से शिवनाथ नदी में गिरी कार, दो की मौत

कार में चार सवार थे दो किसी तरह बाहर निकले, दो मृत मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

मोहारा पुल से शिवनाथ नदी में मारूति 800 कार अनियंत्रित होकर गिर गई। कार में चार लोग सवार थे। जिसमें से दो किसी तरह बाहर निकले। दो युवकों की मौत हो गई। कार को काफी मशक्कत के बाद नदी से बाहर निकाला जा सका। प्रत्यक्षदर्शियों एवं पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम लगभग सवा चार बजे शहर के नंदई ▶▶ शेष पेज 4 पर

मशक्कत बाद कार को नदी से निकाला

मौके पर क्रेन एवं गोताखोर बुलवाकर कार को निकालने मशक्कत की गई। लगभग दो-ढाई घंटे बाद कार को नदी से बाहर निकाला जा सका। नगर पुलिस अधीक्षक श्यामसुन्दर शर्मा ने बताया कि कार में एक युवक मृत अवस्था में मिला। जिसका नाम हन्नू बताया जा रहा है।

कोर्ट का मूड आज खराब है हाईकोर्ट ने टाल दी सुनवाई

वकील की दलील को जज ने माना

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक मुकदमे की सुनवाई सिर्फ इसलिए टाल दी क्योंकि अदालत का मूड अच्छा नहीं था। पप्पू सिंह बनाम नरेंद्र सिंह मामले की सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि आज अदालत का मूड खराब है लिहाजा मामले की बहस टाल दी जाए। न्यायमूर्ति राजीव नारायण रैना ने वकील के. एस. सिद्धू की दलील को मानते हुए बहस टालने का आदेश दे दिया। यह बेहद अनोखा मामला है, जब हिंदुस्तान की किसी अदालत ने मूड खराब होने का हवाला देकर मुकदमे की सुनवाई को टाला है। मामले की सुनवाई 3 मार्च को होगी। सीपीसी के आदेश संख्या 17 के नियम एक में अदालत को सिविल मामले की सुनवाई स्थगित करने की शक्ति दी गई है।

क्या कहा जस्टिस रैना ने

हाईकोर्ट के जस्टिस राजीव नारायण रैना ने अपने आदेश में कहा कि वकील का मानना है कि अभी अदालत का मूड खराब है। एक के बाद एक चार मुकदमे खारिज किए जा चुके हैं। वकील ने इस मामले की सुनवाई को किसी और दिन करने की गुजारिश की है। मैं इस मामले की सुनवाई को स्थगित करने की इजाजत देता हूं।

फिटनेस इंडिया के तहत रेलवे ने लगाई मशीन

30 दंड बैठक लगाओ, प्लेटफार्म टिकट मुफ्त पाओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आमतौर पर रेलवे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए रेलवे आपसे 10 रुपये प्लेटफार्म टिकट के रूप में वसूलता है लेकिन, एक ऐसा भी रेलवे स्टेशन है, जहां आपको प्लेटफॉर्म टिकट के लिए 1 रुपये भी खर्च करने की जरूरत नहीं होगी। दरअसल, दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर एक खास तरीके की मशीन लगाई गई, जिसकी मदद से आप बिल्कुल मुफ्त में प्लेटफॉर्म टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

मुफ्त टिकट के लिए यह शर्त

इस मशीन के सामने दो फुट प्रिंट बनाए गए हैं। इसी फुट प्रिंट पर खड़े होकर आपको 180 सेकेंड के अंदर 30 बार दंड-बैठक लगानी है। इस मशीन पर लगे डिस्प्ले की मदद से आप पूरा विवरण देख सकेंगे। आपके प्वाइंट क्या हैं। इस मशीन पर 180 सेकेंड पूरे होते ही आपको प्लेटफॉर्म टिकट मिल जाएगा।

रेल कर्मियों के लिए एप लांच

रेलवे ने अपने कर्मियों के लिए एचआरएमएस मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इस मोबाइल ऐप से कर्मचारी अपनी डेट ऑफ ज्वाइंनिग से लेकर वेतन वृद्धि, पदोन्नति, पुरस्कार, स्थानान्तरण, पोस्टिंग, छुट्टी, प्रशिक्षण और सेवानिवृत्ति लाभ, अपनी प्रोफाइल से संबंधित जानकारी और सेवा रिकॉर्ड की स्कैन की गई कॉपी के अलावा ई-सेवा रिकॉर्ड भी देख सकते हैं। कर्मचारियों को इसे एक्सेस करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन पर आईपीएएस नंबर / पीपीएफ नंबर दर्ज करके रजिस्ट्रेशन करना होगा।

फिट इंडिया, दंड बैठक मशीन

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने जानकारी दी कि भारतीय रेलवे ने यह पहल फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए किया है। रेलवे ने इस मशीन का नाम 'फिट इंडिया दंड बैठक मशीन' दिया गया है। गोयल ने कहा कि यह सक्सेस होने के बाद अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी उक्त मशीनें लगवाई जाएंगी।

Bilaspur Main-2_Layout 1 22-02-2020 00:48 Page 1

शर्मनाक मेडिकल टेस्ट के नाम पर उतरवाए 100 महिला प्रशिक्षु क्लर्कों के कपड़े

गुजरात के भुज में बमुश्किल एक हफ्ते पहले 68 लड़कियों से मासिक धर्म न होने का सबूत मांगा गया था। इसके लिए सभी को कॉलेज के रेस्ट रूम ले जाकर उन्हें अपने अंत:वस्त्र उतारने के लिए मजबूर किया गया। अब सूरत में इससे भी शर्मनाक घटना घटी है।

एजेंसी ▶▶| सूरत

सूरत नगर निगम (एसएमसी) ने गुरुवार को कथित तौर पर राज्य द्वारा संचालित अस्पताल में महिला क्लर्कों को अपने कपड़े उतारकर लंबे समय तक समूह में खड़े होने के लिए मजबूर किया गया। केवल इतना ही नहीं उनका गायनोकॉलिजिकल फिंगर टेस्ट किया गया और निजी सवाल पूछे गए। नगरपालिका आयुक्त के पास एसएमसी कर्मचारी संघ की दर्ज शिकायत के अनुसार लगभग 100 कर्मचारियों को उस समय जोरदार झटका लगा जब वे अपने अनिवार्य फिटनेस परीक्षण के लिए सूरत म्यूनिसिपल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च पहुंचीं।

वरिष्ठ निगम कर्मचारी ने कहा कि महिला कर्मचारियों को एक कमरे में लगभग 10 के समूहों में एक साथ नग्न खड़े होने के लिए मजबूर किया गया, जहां कोई गोपनीयता नहीं थी। दरवाजा ठीक तरह से बंद नहीं था और केवल पर्दे लगे हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि प्रशिक्षण अवधि पूरी होने के बाद नियमों के मुताबिक प्रशिक्षु कर्मचारियों को नौकरी के लिए शारीरिक तौर पर खुद को स्वस्थ साबित करने के लिए शारीरिक परीक्षण से गुजरना होता है। उन्होंने कहा कि तीन साल का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद कुछ महिला प्रशिक्षु लिपिक चिकित्सीय परीक्षण के लिए अस्पताल आई थीं, जो अनिवार्य है।

10 के समूहों में एक साथ नग्न खड़े होने के लिए किया गया मजबूर

टू फिंगर टेस्ट से गुजरना पड़ा

महिलाओं को विवादित टू फिंगर टेस्ट से गुजरना पड़ा। अविवाहित महिलाओं से भी कथित तौर पर पूछा गया कि क्या वह कभी गर्भवती हुई थीं। कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया है कि महिला डॉक्टर जिन्होंने गायनोकोलॉजी का टेस्ट किया वह उनके साथ अशिष्ट व्यवहार कर रही थीं। वहीं पुरुष प्रशिक्षुओं को एक सामान्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ता है जिसमें एक समग्र जांच के अलावा आंख, ईएनटी, हृदय और फेफड़े के परीक्षण शामिल होते हैं। तीन साल का प्रोबेशन पूरा होने के बाद कर्मचारी की सेवा की पुष्टि के लिए उसका फिटनेस टेस्ट अनिवार्य होता है।

- भुज के बाद सूरत में शर्मनाक हरकत
- न गोपनीयता बरती गई न बंद था कमरे का दरवाजा

आरोपों की जांच करेगी तीन सदस्यीय समिति

मामला सामने आने के बाद अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। सूरत नगरपालिका आयुक्त बंचानिधि पाणि ने शुक्रवार को उन आरोपों की जांच के आदेश दिए जिनमें कहा गया है कि करीब 100 महिला प्रशिक्षु लिपिकों को अस्पताल के प्रसूति रोग वार्ड में चिकित्सीय परीक्षण के लिए बिना कपड़ों के खड़े रखा गया।

उचित नहीं था तरीका:कर्मचारी संघ

कर्मचारी संघ ने कहा कि वह अनिवार्य जांच के खिलाफ नहीं है लेकिन महिला कर्मचारियों की जांच के लिए प्रसूति वार्ड में जो तरीका अपना गया वह उचित नहीं था। कर्मचारी संघ ने अपनी शिकायत में कहा, परीक्षण के लिए कमरे में महिलाओं को एक-एक कर बुलाने की जगह महिला चिकित्सक ने उन्हें 10 के समूह में बुलाकर बिना कपड़ों के एक साथ खड़ा किया। यह निंदनीय है।

खबर संक्षेप

मोदी से मिले उद्धव आदित्य भी थे मौजूद

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालने के बाद राष्ट्रीय राजधानी की उद्धव की यह पहली यात्रा है। उद्धव के साथ उनके पुत्र आदित्य ठाकरे भी प्रधानमंत्री से मिले। आदित्य राज्य सरकार में मंत्री भी हैं।

शाह ने मालदीव के गृह मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मालदीव के गृह मंत्री शेख इमरान अब्दुल्ला से विस्तृत बातचीत की जिसमें उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। अब्दुल्ला गुरूवार से चार दिन की भारत यात्रा पर हैं।

देश में राजनीति के समक्ष विश्वसनीयता का संकट

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को यहां कहा कि

नेताओं के शब्दों और उनके कार्यों में अंतर के कारण देश में राजनीति 'विश्वसनीयता के संकट' का सामना कर रही है तथा इस पर काबू पाने की जरूरत है। सिंह ने कहा कि 'राजनीति' शब्द का अर्थ खो गया है। उन्होंने लोगों से राजनीति में विश्वसनीयता के संकट को समाप्त करने की चुनौती स्वीकार करने का आह्वान किया।

भाजपा व आरएसएस ने राष्ट्रवाद से किनारा किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक

मोहन भागवत के एक कथित बयान को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने राष्ट्रवाद से किनारा कर लिया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने एक बयान में कहा, आदरणीय भागवतजी, 2014 में सत्ता ली अच्छे दिन का वादा कर, सत्ता आने पर अच्छे दिनों से किनारा कर लिया।

देश में कोरोना वायरस का कोई मरीज नहीं

नई दिल्ली। चीन से केरल लौटे तीन नागरिकों में कोरोना वायरस

का संक्रमण ठीक होने के बाद देश में अब इस खतरनाक वायरस के संक्रमण का कोई मरीज नहीं है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. हर्षवर्धन ने शुक्रवार को कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए देशव्यापी स्तर पर किए गए एहतियाती चिकित्सा इंतजामों की समीक्षा बैठक में इसकी पुष्टि की।

श्रीराम सेना ने किया अमूल्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

पाक जिंदाबाद का नारा लगाने वाली लड़की के घर पर हमला

सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पाक जिंदाबाद का नारा लगाने वाली लड़की अमूल्या के घर पर अज्ञात लोगों ने हमला किया। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के मंच से अमूल्या ने पाक जिंदाबाद के नारे लगाए। अमूल्या के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है।

एजेंसी ▶▶| बेंगलूरु

पुलिस ने अमूल्या को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वहीं, श्री राम सेना और हिंदू जनजागृति समिति के सदस्यों ने अमूल्य के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

अमूल्या की गिरफ्तारी पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए। उनके पिता ने भी कहा है कि वह साथ नहीं देंगे। अब यह साबित हो गया कि उसका नक्सलियों से संपर्क था। उसको उचित सजा मिलनी चाहिए। अमूल्या की उम्र 20 साल है। वह बंगलूरू के एनएमकेआरवी महिला कॉलेज से बीए जर्नलिज्म की पढ़ाई कर रही है। वह बेंगलूरू में एक रिकॉर्डिंग कंपनी में ट्रांसलेटर के तौर पर भी काम कर चुकी है। उसने सेंट नॉरबेट सीबीएसई स्कूल और मणिपाल के क्राइस्ट स्कूल से पढ़ाई की है। अमूल्या लियोना 'अलनोरोन्हा' के नाम से अलग फेसबुक पेज चलाती है।

खास बातें

- कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा
- सीएम येदियुरप्पा बोले- नहीं मिलनी चाहिए जमानत

पिता ने बयान पर जताई नाराजगी

अमूल्या के बयान की उनके पिता ने भी आलोचना की है। अमूल्या की नारेबाजी पर उसके पिता ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अमूल्या ने जो कहा, उसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। अमूल्या के पिता ने कहा कि उनकी बेटी ने एंटी सीएए रैली में जो किया, वह बिल्कुल गलत था। उसने जो कहा वह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने कई बार उनसे कहा कि वे मुसलमानों से न जुड़ें, उसने नहीं सुना। मैंने उसे कई बार भड़काऊ बयान नहीं देने के लिए कहा है लेकिन उसने नहीं सुना।

सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव

अमूल्या फेसबुक के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव है। सुपरग्रूफ डॉट कॉ डॉट इन पर अमूल्या का वेरीफाइड अकाउंट है, जिसपर उसने बताया है कि वो एक छात्र है। पढ़ाई के साथ उसे कविताएं लिखने का शौक है। इसके अलावा टीचिंग में भी उसकी काफी रूचि है।

संविधान बचाओ बैनर तले किया गया था आयोजन : 'संविधान बचाओ' बैनर तले एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आयोजकों ने जब अमूल्या को मंच पर संबोधन के लिए बुलाया तो उसने लोगों से अपील की वह उसके साथ 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाएं।

ओवैसी ने लड़की की निंदा की

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने तुरंत लड़की की इस हरकत की निंदा करते हुए कहा कि वे इससे से सहमत नहीं है और आश्वस्त करते हैं 'हम भारत के लिए हैं।'

हमले के बाद अमूल्या के परिवार को पुलिस सुरक्षा

चिकमंगलूरु जिले में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने वाली अमूल्या लियोना के घर पर पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई है। उससे पहले दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने अमूल्या के घर पर हमला किया था। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, लोगों के एक समूह ने गुरुवार शाम कोप्पल के पास गुल्लागड्डे में अमूल्या के घर को निशाना बनाया था। अमूल्या के पिता वाजी ने बाद में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

ओवैसी बोले- भारत जिंदाबाद है और रहेगा

एआईएमआईएम के अध्यक्ष ओवैसी ने कहा- मेरे लिए भारत जिंदाबाद है और भारत जिंदाबाद रहेगा। ओवैसी ने कहा कि न तो मेरा और न ही मेरी पार्टी का उक्त महिला से कोई संबंध है। आयोजकों को उसे नहीं बुलाना चाहिए था। मुझे पता होता कि ऐसा होगा तो मैं यहां नहीं आता। हम भारत के लिए हैं और किसी भी तरीके से अपने दुश्मन राष्ट्र पाक का समर्थन नहीं करेंगे।

मंत्री बोले- होगी सख्त कार्रवाई

विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि नागरिकता कानून विरोधी रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाना चिंताजनक स्थिति है। इस तरह के मंच पाकिस्तान समर्थित नारों को मौका दे रहे हैं। सरकार इस तरह के मामलों पर सख्त कार्रवाई करेगी। कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा, अमूल्या ऐसी जगह से आती है जहां लंबे समय से नक्सली काफी सक्रिय हैं।

फ्री कश्मीर का पोस्टर लिए महिला गिरफ्तार

अमूल्या के खिलाफ हिंदू जागरण वेदिके संगठन के कार्यकर्ताओं ने बेंगलुरु में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एक महिला अपने हाथ में कथित रूप से देशविरोधी और भड़काऊ बैनर लिए हुए थी। बैनर पर दलित मुक्ति, कश्मीर मुक्ति और मुस्लिम मुक्ति लिखा हुआ था। बेंगलुरु पुलिस ने महिला को हिरासत में लिया है। महिला के खिलाफ आईपीसी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। डेप्युटी कमिश्नर चेतन सिंह राठौड़ ने बताया कि स्वतः संज्ञान लेकर पुलिस ने यह केस दर्ज किया है। पुलिस ने अरुद्धा नाम की इस महिला को हिरासत में लिया है।

शाहीन बाग तीन दिन चली बात के बाद वार्ताकार लौटे
हमने आपकी बात सुनी, सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा दूंगा
हेगड़े बोले- हम सरकार के आदमी नहीं

प्रदर्शनकारियों व वार्ताकारों के बीच नहीं बनी बात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से वार्ताकारों ने लगातार तीसरे दिन बात की। लेकिन बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त वार्ताकार सीनियर वकील संजय हेगड़े और वकील साधना रामचंद्रन आज शुक्रवार को तीसरे दिन फिर शाम 6:30 बजे प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए शाहीन बाग पहुंचे।

सीनियर एडवोकेट साधना रामचंद्रन ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि आप लोगों ने सिर्फ एक रोड बंद की है, तो दूसरी रोड को किसने बंद किया है? इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम यहां पर धरने पर बैठे हैं और अपनी सुरक्षा के लिए रोड बंद किया है। इस पर सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े ने पूछा कि क्या आप लोगों ने ही दूसरी सड़क को बंद किया है, तो प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दूसरी रोड को पुलिस ने बंद किया है।

असम में जिनके पास कागज नहीं थे,उनकी जमीन चली गई

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर एंबुलेंस आता है, तो उसको निकलने के लिए हम रास्ता दे देते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शाहीन बाग में गोली चलती है, तो ऐसे माहौल में दिल्ली पुलिस हमको सुरक्षा कैसे दे पाएगी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि असम में एनआरसी लागू हुआ, तो जिन लोगों के पास कागजात नहीं थे, उनकी जमीन चली गई।

हेगड़े बोले- फैसला लेने का अधिकार मुझे नहीं

शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों की बात सुनने के बाद संजय हेगड़े ने कहा, हमने आपकी बात सुनी है। इसको सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा दूंगा। मैं सरकार का आदमी नहीं हूं, इसलिए कोई फैसला लेने का अधिकार मुझे नहीं है।

प्रदर्शनकारियों ने बंद किया है दूसरा रास्ता

वार्ताकारों ने रास्ते को लेकर दिल्ली पुलिस से पूछा, तो एसएचओ ने कहा कि रास्ते को प्रदर्शनकारियों ने बंद कर रखा है। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर दिल्ली पुलिस हमको सुरक्षा देने का वादा करे, तो हम रास्ता खोल सकते हैं। इस पर दिल्ली पुलिस ने फौरन कह दिया कि हम प्रदर्शनकारियों को पूरी सुरक्षा देंगे। हालांकि प्रदर्शनकारी राजी नहीं हुए और कहा कि हमको दिल्ली पुलिस पर भरोसा नहीं हैं। दिल्ली पुलिस लिखित में सुरक्षा देने का वादा करे।

रेल कर्मियों को मिलेगी सेवा से जुड़ी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रेलवे के प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता लाने के मकसद से रेलवे बोर्ड ने एचआरएमएस नामक मोबाइल ऐप शुरू किया है, जिसमें कोई भी कर्मचारी अपनी सेवा से संबंधित डेटा की जानकारी लेने के साथ किसी भी बदलाव के लिए बातचीत कर सकता है। रेल मंत्रालय के अनुसार रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र द्वारा डिजाइन किए गए 'एचआरएमएस' मोबाइल ऐप को लांच करते हुए कहा कि यह ऐप भारतीय रेल की मानव संसाधन संबंधी कार्यों के कम्प्यूटीकरण में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। यादव ने कहा कि अब भारतीय रेल के सभी कर्मचारी अपनी सेवा से संबंधित डाटा देख सकेंगे और यदि यह आवश्यक हो तो किसी परिवर्तन के लिए प्रशासन से सम्पर्क कर सकते हैं। एप में वेतन वृद्धि, पदोन्नति, पुरस्कार, स्थानांतरण, पदस्थापन, छुट्टी संबंधित विवरण शामिल हैं।

- रेलवे बोर्ड ने लांच किया एचआरएमएस मोबाइल एप्प

धनुष और सारंग गन का सफल परीक्षण

जबलपुर। जबलपुर की गन कैरिज फैक्ट्री में तैयार की गई 155 एमएम 45 कैलिबर धनुष तोप और सारंग गन का शुक्रवार को खमारिया एलपीजी रेंज में एक साथ परीक्षण किया गया। यह पहला मौका है जब धनुष तोप से जबलपुर में फायरिंग की गई। हालांकि, इससे पहले 21 जनवरी को गन कैरिज फैक्ट्री में ही तैयार की गई सारंग तोप का परीक्षण किया जा चुका था। भारतीय सेना को अब तक 6 धनुष तोप और 8 सारंग गन सौंपी जा चुकी है।

37 से 40 किमी के बीच निशाना साधने में सक्षम

दिल्ली से आए डॉयरेक्टर जनरल ऑफ क्वालिटी एश्योरेंस लेफ्टिनेंट जनरल संजय चौहान भी मौजूद रहे। उनकी सामने ही धनुष तोप और सारंग गन का शक्ति परीक्षण किया गया। दोनों ही तोप 37 से 40 किलोमीटर के बीच निशाना साध सकती हैं। इनका निर्माण गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर में ही किया गया है।

राममंदिर का दोबारा नहीं कराया जाएगा शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के लिए गठित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने साफ किया है कि राममंदिर के लिए दोबारा शिलान्यास नहीं कराया जाएगा। हालांकि परिसर में ही रामलला का एक अस्थायी मंदिर जरूर बनाया जाएगा, जिसमें रामलला मुख्यमंदिर के निर्माण होने तक विराजमान रहेंगे। विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष सह नवगठित ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि राममंदिर का विधिवत शिलान्यास 1989 में कामेश्वर चौपाल के हाथों कराया जा चुका है। इसलिए इन खबरों का कोई वजूद नहीं है कि दोबारा शिलान्यास कार्यक्रम कराया जाएगा। उन्होंने कहा 30 साल बाद पहले मंदिर निर्माण का जो काम शुरू किया गया था,उसी को कुछ पूजा-पाठ के बाद आगे बढ़ाया जाएगा।

- रामनवमी के दिन मंदिर निर्माण की अटकलों को किया खारिज

समाज अपने आप करेगा धन की व्यवस्था

उन्होंने संकेत किया कि यह काम रामनवमी से पहले किया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी,क्योंकि 2005 में पांच आतंकवादियों ने श्रीराम जन्मभूमि पर हमला कर दिया था,लेकिन वे पुलिस के हाथों मारे गए थे। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की पहली बैठक में ही यह तय कर दिया गया है कि धन के बारे में कोई विचार नहीं किया जाएगा। प्रभु की प्रेरणा से समाज अपने आप धन की व्यवस्था करेगा।

एफएटीएफ की पाक को चेतावनी, आतंक के खिलाफ 27 सूत्रीय कार्ययोजना पर काम करो नहीं तो करेंगे ब्लैकलिस्ट

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने आतंक के खिलाफ पाकिस्तान के काम से नाखुशी जाहिर करते हुए जून 2020 तक ग्रे लिस्ट की अवधि को बढ़ा दिया है। एफएटीएफ ने पाक को चेतावनी दी और 27 सूत्रीय कार्ययोजना पर जून से पहले अनुपालन करने के लिए कहा।

पाकिस्तान अगर आतंक को रोकने के लिए

प्रभावी काम नहीं करता है तो उसे जून 2020 में ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। पेरिस के जानकार सूत्रों ने पाकिस्तान के डॉन न्यूज को बताया कि एफएटीएफ के कार्य समूह की कई बैठकों में पाकिस्तान के प्रदर्शन की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। जिसके बाद एफएटीएफ ने पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट की अवधि को चार महीने के लिए बढ़ा दिया। एफएटीएफ 16 फरवरी से शुरू हुई बैठकों के समापन पर आज आधिकारिक बयान जारी करेगा।

खास बातें

- एफएटीएफ ने इस्लामाबाद को दिया जून 2020 तक का वक्त
- फिलहाल ग्रेलिस्ट में ही रखा कायम

चीन और सऊदी ने भी छोड़ा पाक का साथ

आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई न करने वाले पाकिस्तान का साथ उसके सदाबहार दोस्त कहे जाने वाले चीन और सऊदी अरब ने छोड़ दिया है। एफएटीएफ की बैठक में चीन ने भारत, अमेरिका, यूरोपीय देशों और सऊदी अरब का साथ दिया। इन सभी देशों ने पाकिस्तान से कहा है कि उसे आतंकी वित्तपोषण और मनी लांड्रिंग के मामले में सख्त कार्रवाई करनी होगी। साथ ही आतंकी संगठन

जून में होगी समीक्षा

अब एफएटीएफ की अगली बैठक जून में होगी। जिसमें पाकिस्तान द्वारा आतंकी वित्तपोषण, मनी लांड्रिंग और आतंकी सरगनाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई की गहन समीक्षा की जाएगी। यदि चार महीने में पाकिस्तान एफएटीएफ की मांगों को पूरा नहीं कर पाता है तो उसे कालीसूची में डाल दिया जाएगा।

क्या है एफएटीएफ

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) एक अंतर-सरकारी निकाय है जिसे फ्रांस की राजधानी पेरिस में जी7 समूह के देशों द्वारा 1989 में स्थापित किया गया था। इसका काम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग), सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार और आतंकवाद के वित्तपोषण पर निगाह रखना है।

क्या करता है एफएटीएफ

एफएटीएफ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली को दुरुपयोग से बचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कमजोरियों की पहचान करने के लिए काम करता है। अक्टूबर 2001 में एफएटीएफ ने धन शोधन के अलावा आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के प्रयासों को शामिल किया। जबकि अप्रैल 2012 में इनकी कार्यसूची में सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्तपोषण का मुकाबला करने के प्रयासों को जोड़ा गया। एफएटीएफ अपने द्वारा दी गई सिफारिशों को लागू करने में देशों की प्रगति की निगरानी करता है।

सुन्नी वक्फ बोर्ड का बड़ा फैसला

अयोध्या में मस्जिद के बदले बनाएगा शैक्षणिक संस्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से मस्जिद निर्माण के लिए अयोध्या में मिले 5 एकड़ जमीन को लेकर सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि वह वहां शैक्षिक संस्थान खोलने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार कई मुस्लिम संगठनों के विरोध के बावजूद सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अयोध्या में मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन लेना मंजूर कर लिया है। लेकिन चर्चा है कि बोर्ड वहां मस्जिद के बदले शैक्षणिक संस्थान बनवाने के पक्ष में है। इसके लिए कानूनी पहलुओं पर भी विचार चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अयोध्या के सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में सुन्नी वक्फ बोर्ड को 5 एकड़ जमीन देने के प्रस्ताव पर यूपी की योगी कैबिनेट ने भी अपनी मुहर लगा दी है।

- कानूनी पहलुओं पर कर रहा विचार

21- FEB- MAIN- Pg- 3 K&C_Layout 1 2/21/2020 11:49 PM Page 1

हर, हर महादेव की गूंज...

महाशिवरात्रि की देश भर में धूम...

भुवनेश्वर

मिर्जापुर

सूरत

श्री नगर

पेंसिल की नोक पर 0.5 इंच का शिवलिंग

ओड़िशा के मशहूर मिनिएचर आर्टिस्ट एल ईश्वर राव ने पेंसिल की नोक पर शिवलिंग बनाया है। जी हाँ, आपको बता दें कि इस शिवलिंग की लंबाई 0.5 इंच है। राव भुवनेश्वर से 20 किलोमीटर दूर खुरदा जिले के जातनी गांव के रहने वाले हैं और उनकी इस खूबसूरत कृति को देखकर लोग उनके फैन हो गए हैं। ईश्वर ने बताया कि 'चार सॉफ्ट स्टोन को छोटी सी बोतल में फिक्स करने में उन्हें दो दिन लगे थे। इससे पहले राव भारतीय टीम के सम्मान में 'वर्ल्ड कप ट्रॉफी' को इमली के बीज पर बना चुके हैं। इसी के साथ आपको याद हो तो पिछले साल उन्होंने क्रिसमस के बाद एक बोतल में चर्च बनाया था।

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि की शुक्रवार को देश भर में धूम रही। फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष शिवयोग में मनाया गया। शिव योग बनने से महाशिवरात्रि का महात्म्य अधिक हो गया। कश्मीर से कन्याकुमारी तो अरुणाचल से गुजरात तक शिव मंदिरों में ओम नमः शिवाय..., हर-हर महादेव..., बोल बम.. की गूंज रही। देर शाम तक भोले बाबा की आराधना की गई। काशी के विश्वनाथ, उज्जैन के महाकाल, भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना हुई। कहीं रुद्राभिषेक तो कहीं दुग्धाभिषेक किया गया। कुछ मंदिरों में महामृत्युंजय और शिव मानस पाठ का आयोजन किया गया। । कई शिवालयों में बाबा को 1008 दीपों का दान भी हुआ।

1008 दीपों का दान

खबर संक्षेप

म्यामां के राष्ट्रपति 26 को आएंगे भारत

नई दिल्ली। म्यामां के राष्ट्रपति यू विन मिन्त 26 से 29 फरवरी तक

भारत यात्रा पर होंगे। इस दौरान दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच संबंधों को गहरा बनाने पर बातचीत होगी। नयी दिल्ली की आधिकारिक यात्रा के बाद म्यामां के राष्ट्रपति के आगरा और बोध गया जाने की भी योजना है।

बेदी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे मंत्री

पुडुचेरी। पुडुचेरी के स्वास्थ्य एवं पर्यटन मंत्री माल्लादी कृष्ण राव ने शुक्रवार को कहा कि वह उपराज्यपाल किरण बेदी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे क्योंकि वह विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कथित रूप से अड़ंगा डाल रही हैं। राव ने बंदी पर आरोप लगाया कि वह आईएएस अधिकारियों विशेष रूप से तमिल आईएएस अफसरों को डरा रही हैं।

देश की पहले तैरने वाली जेटी का उद्घाटन

पणजी। केन्द्रीय जहाजरानी राज्यमंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को गोवा के पणजी में देश के पहले तैरने वाली जेटी और आव्रजन सुविधा केन्द्र का उद्घाटन किया। जेटी राज्य बंदरगाह विभाग के परिसर में मंडोवी नदी के तट पर वहीं आव्रजन सुविधा केन्द्र वास्को में क्रूज टर्मिनल पर स्थित है। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपद नाइक और राज्यसभा सांसद विनय तेंदुलकर उपस्थित थे।

सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देकर अमेरिकी एजेंसियों ने रोका

ट्रंप के रोड शो में गुजरात के सीएम को शामिल होने का नहीं मिलेगा मौका

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अहमदाबाद में होने वाले रोड शो में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी शामिल नहीं हो पाएंगे, उन्हें अमेरिकी एजेंसी ने मना कर दिया है। रुपाणी पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस रोड शो में शामिल होना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा की कमान संभाल रही अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी ने मुख्यमंत्री की कार को काफिले में शामिल होने की अनुमति नहीं दी है। ट्रंप के भारत पहुंचने के बाद सुरक्षा की कमान अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी ही संभालेगी। ट्रंप के रोड शो के दौरान काफिले में किसकी कार को एंट्री मिलेगी, किसे नहीं, यह सीक्रेट एजेंसी ही तय करेगी।

खास बातें
- सोमवार से शुरू हो रहा है अमेरिकी राष्ट्रपति का दो दिवसीय दौरा
- पत्नी, बेटी सहित आएंगे, अहमदाबाद होगा विशेष कार्यक्रम

मोदी करेंगे अगवानी

गौरतलब है, ट्रंप 24 फरवरी को वॉशिंगटन से सीधे अहमदाबाद पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति का एयरपोर्ट पर स्वागत करेंगे। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के लंबे रोड शो का कार्यक्रम है। ट्रंप के दौरे से पहले सुरक्षा इंतजाम समेत कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रही हैं।

त्रिस्तरीय होगा सुरक्षा घेरा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के रोड शो के दौरान सुरक्षा घेरा त्रिस्तरीय होगा। अग्रिम मोर्चे पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी के जवान होंगे, वहीं दूसरा घेरा भारत के नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और स्पेशल प्रोटेक्शन गाड्र्स (एसपीजी) के कमांडोज का होगा। तीसरे घेरे में क्राइम ब्रांच के जवान होंगे।

ट्रंप नहीं करेंगे मोटोरा स्टेडियम का उद्घाटन

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने शुक्रवार को यह स्पष्ट किया कि दुनिया के सबसे बड़े मोटेरा के नव निर्मित क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन राष्ट्रपति ट्रंप नहीं करेंगे। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष धनराज नाथवानी ने कहा, 'कार्यक्रम का नाम नमस्ते ट्रंप है और यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी के लिए आयोजित किया जा रहा है। स्टेडियम का उद्घाटन हम बाद में करेंगे।' एक लाख दस हजार दर्शकों की क्षमता वाले दुनिया के इस सबसे बड़े स्टेडियम को लेकर पुलिस और अधिकारी दावा कर रहे थे कि एक लाख से अधिक लोग नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम के लिए

बेटी दामाद भी होंगे शामिल

ट्रंप के साथ प्रतिनिधिमंडल में उनकी पत्नी मेलानिया, बेटी इवांका और दामाद जेरेड शामिल होंगे। यह प्रतिनिधिमंडल द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होगा। इवांका का ये दूसरा भारत दौरा होगा, इससे पहले हो एक ग्लोबल इवेंट में बतौर मुख्य अतिथि हैदराबाद आई थीं। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने थे और दोनों नेताओं ने एक रोबोट के साथ बातचीत की थी.

लेह-मनाली पर बना देश का पहला आइस कैफे

लद्दाख। 14 हजार फ़ीट की ऊंचाई पर लद्दाख में लेह-मनाली नेशनल हाइवे पर देश का पहला आइस कैफे बना है। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन ने इस कैफे को चार स्थानीय युवाओं के साथ मिलकर बनाया है।

- मैकेनिकल इंजीनियर ने खोला इसे

इस आइस कैफे को बनाने का आईडिया मैकेनिकल इंजीनियर सोनम वांगचुक के एक प्रोजेक्ट से लिया गया है। इस कैफे का मेन्यू कुछ ज्यादा लम्बा नहीं है। यहां आपने वाले ग्राहकों को मसाला चाय, जिंजर-टी, बटर-टी और मसाला मैगी दी जाती है। लद्दाख के मीरू गांव के नजदीक स्थित इस कैफे को बनाने में जिस आईडिया का इस्तेमाल हुआ है। उसके मुताबिक़, यहां कोन आकार के स्ट्रक्चर पर पानी गिराया जाता है।

एनआरआई परिवार ने बिहार में आकर किया पिंडदान

न्यूजीलैंड से आकर पावन गंगा में विसर्जित की कुत्ते की अस्थियां

नई दिल्ली। भारत की संस्कृति और सभ्यता ऐसी है कि यहां रहने वाले लोग अगर विदेश भी चले जाएं, तो भी अपनी जड़ें नहीं भूलते। इस शख्स ने न्यूजीलैंड से भारत आकर अपने पालतू कुत्ते की अस्थियां विसर्जित की हैं।

- पालतू कुत्ते से करते थे

बिहार के पूर्णिया के मधुबनी में रहने वाले प्रमोद चौहान कई साल पहले न्यूजीलैंड में जाकर बस गए

थे। वहां उन्होंने एक कुत्ता पाल रखा था। लाइकन नाम के अपने कुत्ते से प्रमोद को काफी लगाव था। लाइकन प्रमोद के साथ 10 साल से रह रहा था। कुछ दिनों पहले लाइकन की मौत हो गई।

हिंदू रीति से अंतिम संस्कार

प्रमोद लाइकन को परिवार का सदस्य मानते थे। उसके मौत के बाद प्रमोद ने हिंदू रीति-रिवाज से उसका अंतिम संस्कार किया। लाइकन को उन्होंने जलाया और उसकी अस्थियां भी कलश में भरी। प्रमोद लाइकन की अस्थियां भारत लेकर आए। जिसे उन्होंने पटना में गंगा में विसर्जित किया। प्रमोद मोक्ष स्थली गया भी गए और लाइकन का पिंडदान भी किया, ताकि उसकी आत्मा को शान्ति मिले।

अमेरिका में कुत्ते को बनाया मेयर, किया पदभार ग्रहण

न्यूयार्क। अमेरिका के कोलोराडो के जॉर्जटाउन में पार्कर डॉग को मेयर बनाने का अनोखा मामला सामने आया है। इसके लिए बुधवार जॉर्जटाउन कम्युनिटी सेंटर में एक खास सेरेमनी भी रखी गई, जिसमें मेयर पद खातिर होने वाली सभी औपरचारिकता पूरी हुईं। पार्कर का चयन बोर्ड के सदस्यों ने वोट कर 11 फरवरी को किया। इस मौके पर पुलिस और जज लिनेट

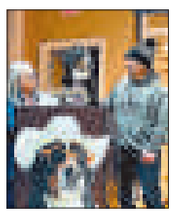

केलसी ने शपथ ग्रहण कराया। इस मौके पर कई स्थानीय लोगों के अलावा डॉग लवर भी मौजूद रहे। मेयर का पदभार ग्रहण करने के लिए पार्कर फुल ड्रेस में पहुंचा। इस सेरेमनी के दौरान पार्कर डॉग ने टाई और कैप लगाई हुई थी और साथ ही चश्मा भी लगाया हुआ था। इस आयोजन की फोटो क्लीयर क्रीक काउंटी ने अपने फेसबुक पेज से साझा की हैं।

गर्लफ्रेंड खोजने वाले को मिलेगा लाखों का ईनाम

नई दिल्ली। अमेरिका के एक बिजनेसमैन को अपने लिए एक गर्लफ्रेंड की तलाश है। इस शख्स ने इसके लिए एक डेटिंग वेबसाइट भी लॉन्च कर दिया है। लॉन्च हुई इस वेबसाइट के जरिए अगर कोई भी व्यक्ति इस बिजनेसमैन के लिए गर्लफ्रेंड खोज देता है तो उसे 25 हजार डॉलर(करीब 18 लाख रुपये) का इनाम मिलेगा। दरअसल, जेफ गेबहार्ट नामक यह

शख्स ट्रेडिशनल डेटिंग से थक चुके हैं और ऑनलाइन डेटिंग से भी मन उठ चुका है। जेफ को ऐसी लड़की की तलाश है, जो उनके हर अच्छाई और बुराई के साथ प्यार कर सके। इसलिए जेफ ने अब अपनी वेबसाइट के साथ प्राइज मनी का आइडिया प्लान कर कैंपेन शुरू किया है। जेफ गेबहार्ट ने अपने बारे में कहा कि वे काफी सपोर्टिव इंसान हैं।

बोलियों के विलुप्त होने में पूर्वोत्तर के राज्य सबसे आगे

भारतीय जुबान से गायब हो गईं 250 बोलियां

नई दिल्ली। भारत को भाषाओं और बोलियों का घर कहा जाता है लेकिन कभी सक्रिय रूप से बोली जाने वाली 780 बोलियों में से आज 500 से भी कम बची हैं। 2010 में पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार इन 780 बोलियों में से 600 लुप्तप्राय हैं। इसका मतलब यह है कि बच्चे इन बोलियों को नहीं सीखते हैं या इन्हें बोलने वाले केवल बड़ी उम्र के लोग ही हैं।

आजादी के बाद से 250 बोलियां लुप्त

भारत में बोलियों के लुप्त होने की स्थिति कितनी गंभीर है इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर 4,000 लुप्तप्राय भाषाओं या बोलियों में भारत की हिस्सेदारी 10 फीसदी है। आजादी के बाद से भारत में 250 बोलियां विलुप्त हो चुकी हैं।

- अरुणाचल प्रदेश में 29 बोलियां खत्म होने के कगार पर
- संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं हैं शामिल

42 बोलियां संकटग्रस्त

2014 में संसद में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए एक जवाब में कहा गया था कि यूनेस्को के आंकड़ों के आधार पर 42 भारतीय बोलियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। जिसका अर्थ यह है कि इसे केवल बड़े उम्र के लोग ही बोल रहे हैं। उन बोलियों के लुप्तप्राय होने का खतरा इसलिए बढ़ गया है जिनको बच्चे मातृभाषा के रूप में नहीं सीख रहे हैं।

पूर्वोत्तर के राज्य सबसे आगे

बोलियों के विलुप्त होने से सबसे अधिक प्रभावित उत्तर पूर्वी हिस्सा है। अकेले अरुणाचल प्रदेश में 29 भाषाएं ऐसी हैं जो या तो लुप्तप्राय हैं या उनके खत्म होने का खतरा ज्यादा है।

आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं

संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को आधिकारिक रूप से शामिल किया गया है। संविधान में वर्णित भाषाओं की यह संख्या किसी भी देश की आधिकारिक भाषाओं की सूची में सबसे ज्यादा है।

रायपुर में 10 से अधिक निजी सुरक्षा एजेंसियां बैंक से एटीएम तक कैश पहुंचाने का करती हैं काम

शासन के नए नियम से सुरक्षा एजेंसियों की बढ़ीं मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

नेशनलाइज व प्राइवेट बैंकों से एटीएम तक पैसे पहुंचाने वाली निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 7 साल से अधिक पुराने कैश वैन के उपयोग पर रोक लगाने से संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इससे निजी सुरक्षा एजेंसियों की 40 फीसदी कैश वैन अनफिट हो जाएंगी। यही नहीं, सुरक्षा एजेंसियों के पास वैन की जरूरत के अनुसार लाइसेंसी शस्त्रधारी सुरक्षा गार्ड भी नहीं हैं। ऐसी दशा में बैंकों से एटीएम तक कैश पहुंचाने के नए नियम का पालन करना एजेंसियों के लिए बेहद कठिन है। हरिभूमि टीम की पड़ताल में रायपुर में करीब 150 कैश वैन हैं, जिनमें 70 कैश वैन की लाइफ सात साल से अधिक हो गई है। यही नहीं, बचे कैश वैन में 20 फीसदी वाहनों के पास ट्यूबलेस टायर नहीं है। सबसे अहम है, 30 फीसदी वाहनों की क्षमता 2200 सीसी से कम है।

खास बात

- अधिकतर निजी सुरक्षा एजेंसी बगैर सुरक्षा गार्ड ही बैंक से करोड़ों रुपए केश लेकर करती हैं सफर

70 वैन कैश ढोने लायक नहीं

नए नियम के मुताबिक बैंक से एटीएम तक पैसे पहुंचाने का काम करने वाले कैश वैन 2200 सीसी क्षमता के होने अनिवार्य है। वैन 7 साल पुराना नहीं होना चाहिए। ट्यूबलेस टायर होने चाहिए। इसे लेकर हरिभूमि टीम ने शुक्रवार को पड़ताल की, जिसमें चौंकाने वाली हकीकत सामने आई। रायपुर जिलेभर में 70 से अधिक कैश वैन नियम के विपरीत हैं।

इतनी कंपनियां करती हैं पैसे का कलेक्शन

जानकारी के मुताबिक राधजानी में करीब 10 निजी सुरक्षा एजेंसियां ऐसी हैं, जो बैंकों से एटीएम तक पैसे पहुंचाती हैं।

शस्त्रधारी गार्ड की संख्या बेहद कम

नए नियम के मुताबिक कैश वैन संचालित करने वाली निजी सुरक्षा एजेंसी के दो गार्ड प्रत्येक कैश वैन में होंगे। उनके पास कम से कम 12 बोर की बंदूक होना जरूरी है। यही नहीं, बंदूकों का 2 साल में चलाने का परीक्षण जरूरी है। दो साल में कारतूस बदलना होगा। साथ ही, दो साल में एक बार बंदूक चलाने का प्रशिक्षण भी अनिवार्य होगा। हरिभूमि टीम ने कैश वैन में लगे 10 शस्त्रधारी सुरक्षा गार्ड से बातचीत की। इसमें किसी भी लाइसेंस शस्त्रधारी सुरक्षा गार्ड के पास हथियार ट्रेनिंग देने वाली संस्था से हथियार चलाने का प्रशिक्षण नहीं लिया है। यही नहीं, सुरक्षा गार्डों की संख्या बेहद कम होने के साथ ही कई हथियारों से दो-तीन साल से फायर भी नहीं हुआ है।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट बनाएगा कुंडली

अफसरों के मुताबिक निजी सुरक्षा एजेंसी के नए नियम आने के बाद अब ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट व आरटीओ दफ्तर कैश वैन की डिटेल बनाएगा। नियम के दायरे में आने वाले कैश वैन से ही पैसों का लाना-ले जाना हो सकेगा। यही नहीं, दूसरे राज्यों के रजिस्ट्रेशन पर चलने वाले कैश वैन को जब्त किया जाएगा।

अनिवार्य हुई प्राध्यापकों की ट्रेनिंग

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में इस बार परीक्षा से पहले प्राध्यापकों की विशेष कक्षा लगाई जाएगी। इसमें शिक्षकों को परीक्षा के नियम, नकल रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों से लेकर ओएमआर शीट को फाड़कर अलग करने के तरीकों के बारे में बताया जाएगा। रविवि ने प्राचार्यों को इस संबंध में दिशा-निर्देश दे दिए हैं। 3 मार्च से रविवि की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। उससे पहले प्राध्यापकों को इसका प्रशिक्षण महाविद्यालय प्रदान करेंगे। इस बार प्राध्यापकों को उत्तरपुस्तिका के ओएमआर शीट के उस हिस्से को परीक्षा के तुरंत फाड़कर अलग करना है, जिसमें छात्र से संबंधित जानकारी भरी जाएगी। इसे अलग करने के बारे में शिक्षकों को बताया जाएगा। बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक हैं, जिनकी ड्यूटी परीक्षा के वक्त पहली बार लगनी है। इस परीक्षाएं जल्द समाप्त हो रही हैं और रविवि किसी तरह की गड़बड़ी नहीं चाहता, इसलिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पुनर्मूल्यांकन के परिणाम भी जल्द

सभी महाविद्यालयों को सूचित कर दिया गया है कि इस बार परिणाम तय वक्त पर जारी किए जाने हैं। 16 जून तक रविवि सभी विषयों के परिणाम घोषित कर देगा। इसके साथ ही पुनर्मूल्यांकन के परिणाम भी रविवि जल्द करने की तैयारी में है। इसके लिए भी योजना बन रही है। रविवि का अधिक फोकस अंतिम वर्ष के परिणाम जारी करने पर रहेगा। ताकि किसी अन्य कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों को इसके कारण दिक्कत ना हो।

पहले से ही तैयारी

परीक्षा के लिए प्राध्यापकों को पहले से ही तैयारी कराई जाएगी। प्राचार्यो को ट्रेनिंग अनिवार्य रूप से देने कहा गया है।

- प्रो.गिरीशकांत पांडेय
कुलसचिव, रविवि

प्रथम पृष्ठ का शेष

अपमान की गठरी ...

समंदर और आखों में झुर्रियां पड़ने के बाद दर्द बताती मां का कहना हैं कि अब अस्थियों की गठरी भी फटने लगी है। वह स्मारक में अस्थियां रखने उसकी पोटली बनाकर घूम रही है, लेकिन सुध लेने वाला कोई नहीं है। जिले के डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के सोनेसरार गांव का एक जवान हेमन्त महितकर 2013 में 10 वीं बटालियन छसबल में भर्ती हुआ था। जिसकी पदस्थापना प्रदेश के बीजापुर जिले के मिरतूर थाने में हुई। 03 मार्च 2017 को थाना क्षेत्र के चेटली चितौड़ीपारा में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। जिसमें सड़क निर्माण कर रहे लोगों को सुरक्षा देने निकली फोर्स पर जंगल में घात लगाकर बैठे नक्सली हमला कर देते है। जिसमे जवान हेमन्त महितकर शहीद हो गया था। बताया जाता है कि शासन-प्रशासन के नियमों के अनुसार जिस गांव का जवान शहीद होता है, उस गांव के स्कूल का नाम शहीद के नाम पर रखा जा सकता है।

अधूरा बनाकर छोड़ ...

स्मारक में नही लगाई गई है। जिसके लिए आज भी शहीद बेटे की मां लड़ाई लड़ रही हैं। मिडिल स्कूल के प्राचार्य का कहना है कि स्कूल का नाम शहीद के नाम पर करने के लिए कई बार प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। लेकिन गांव की पंचायत में सहमति नही बनने के कारण नामकरण नही हो पा रहा है।

धान खरीदी ने ...

आसपास है, लेकिन इस सीजन में धान खरीदी की व्यवस्था को लेकर कुछ जिलों में किसानों ने नाराजगी या विरोध भी जताया है। इसके पीछे ये कारण माना जा रहा है कि धान बेचने वालों किसानों की संख्या में ढाई लाख के इजाफे के कारण व्यवस्था प्रभावित हुई है। राज्य में इस सीजन में केवल किसान ही नहीं बढ़े, बल्कि धान का रकबा भी पिछले वर्षों के मुकाबले इसलिए बढ़ा है कि राज्य सरकार ने धान का सर्वाधिक मूल्य 2500 रुपए किसानों को देने की बात कही है। पिछले साल यही दर किसानों को दी जा चुकी है।

रिकार्ड तोड़ ...

लाख 55 हजार 131 किसानों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 18 लाख 20 हजार 833 ने धान बेचा है। धान बेचने वाले किसानों की संख्या का प्रतिशत 93.13 रही है। प्रदेश में अब तक न तो इतनी संख्या में किसानों ने धान बेचने के लिए पंजीयन कराया, न ही इतनी संख्या में धान बेचा, न ही सरकार ने अब तक कभी इतनी मात्रा में धान खरीदा था।

बैकफुट पर आई ...

और पुरुष सुपरवाइजरों का कहना है कि वे जिले में घर-घर जागरूकता अभियान तो चला सकते हैं, लेकिन किसी का जबर्दस्ती नसबंदी ऑपरेशन तो नहीं करवा सकते।

पुल से शिवनाथ...

कुंआ चौक के पास निवासी चार युवक सभी लगभग 25-35 वर्ष मारूति 800 कार में सवार होकर हल्दी की ओर से शिवनाथ नदी मोहारा के पुराना पुल से लौट रहे थे। उनकी कार पुल के बीच में ही पहुंची थी कि कार अनियंत्रित होकर पुल के नीचे शिवनाथ नदी में जा गिरी। बताया गया कि नदी में कार के गिरते ही दो युवक नित्तु गुप्ता एवं शुभम देवांगन किसी तरह बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे। जिन्हें आसपास के लोगों ने देखा तो उन्हें किसी तरह बाहर निकाले। कार के भीतर हन्नू एवं ठेकल संतराम भी थे, जो कार के साथ नदी के पानी में डूब गए। इधर घटना की जानकारी होते ही पुलिस अधिकारी एवं स्टाफ मौके पर पहुंचे।

हरिभूमि CLASSIFIEDADS

Sell your Stuff advertise jobs or a place to rent. you can do it all here!

Cont- Ring Road No-2, Gourav Path Marg, Bilaspur Mo.7974724480 Email Id- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है | आवश्यकता है | आवश्यकता है | आवश्यकता है | आवश्यकता है | बेचना है | बेचना है | बेचना है | ज्योतिष | कृषि उपकरण

बेचना है

WANTED

फाइनेंस

व्यापार

किराया

//सूचना//

हरिभूमि CLASSIFIED RATE CARD (2019-20)

HEALTH CARE

MATRIMONIAL

कृपया विज्ञापन बुकिंग करते समय अपने आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ में अवश्य लाएं।

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur
Ph. 07752-271010, 401050, Mob. 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

अमेरिका से लौटे महंत, विस सत्र हो सकता है मजेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभाध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत 10 दिनों के अमेरिका प्रवास से शुक्रवार को लौटे।

इस प्रवास में वे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ छत्तीसगढ़ के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका गए थे। रायपुर वापसी के बाद माना एयरपोर्ट पर डॉ. महंत का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में डॉ. महंत ने कहा कि इस सत्र के लिए विधानसभा में बड़ी संख्या में प्रश्न लगे हैं। ऐसी संभावना है कि यह सत्र मजेदार हो सकता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ अमेरिका दौरे से लौटे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा- अमेरिका की यात्रा बहुत अच्छी रही।

जिस मूड में मुख्यमंत्री सेनफ्रांसिस्को गए थे, वह सफल हुआ। वहां के निवेशकों के साथ बेहतर चर्चा हुई। कुछ लोग चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ में कुछ ऐसी सामग्री का निर्माण हो, जिसे वहां भेजा जा सके। वहीं राहुल गांधी ने कहा था कि विदेश में यहां के युवाओं को रोजगार देने के नाम पर कोई पहल हो, तो अमेरिका में चर्चा भी की गई। डॉ. महंत ने कहा, अमेरिका में रहने वाले छत्तीसगढ़ के लोगों ने अपने राज्य और परिवार की उन्नति के लिए कुछ करने की मंशा ज़ाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य से कम से कम 100 युवाओं को अमेरिका में ट्रेनिंग दे सकते हैं। बहुत खुशी की बात है कि यहां से लोग अमेरिका ट्रेनिंग के लिए जाएं।

विधानसभा सत्र को लेकर ये कहा

आने वाली 24 तारीख से विधानसभा का सत्र है, उसी दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा। अब तक 2000 से ज़्यादा सवाल विधानसभा के लिए आ चुके हैं, तो ऐसा लगता है, इस बार विधानसभा सत्र ज़्यादा मजेदार होगा। इससे पहले शुक्रवार को अपराह्न 3.40 बजे इंडिगो की नियमित उड़ान से रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट माना-रायपुर पहुंचे। विमानतल पहुंचने पर राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में उनके समर्थकों, कार्यकर्ताओं, मित्रों, शुभचिंतकों एवं विधानसभा के प्रमुख सचिव चंद्रशेखर गंगराड़े सहित सचिवालय के अधिकारियों, कर्मचारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी के साथ आत्मीय स्वागत किया। विमानतल से अपने निवास कार्यालय "स्पीकर हाऊस" पहुंचने पर डॉ. महंत का वहां भी उनके समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

पंचांग

पं. विश्वेश्वर नारायण द्विवेदी
अन्नपूर्णा मंदिर, शिवरीनारायण

संवत् 2076। शकः 1941। उत्तरायण। शिशिर ऋतु। फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि शनिवार सायं 6 बजकर 4 मिनट तक। श्रवण नक्षत्र दिन 10 बजकर 47 मिनट तक। वरीयान योग दिन 7 बजकर 6 मिनट तक। शकुनिकरण। सूर्य 8 अंश पर। सूर्य उदय 6 बजकर 18 मिनट पर। सूर्य अस्त 5 बजकर 42 मिनट पर। राहुकाल प्रातः 9 से 10.30 बजे तक। उदित लग्न कुंभ में सूर्य, बुध। मीन में शुक्र। मिथुन में राहु। धनु में मंगल, गुरू, केतु। मकर में चंद्र, शनि।

राशिफल

मेष मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। बातचीत में संचत रहें। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृष कला एवं संगीत के प्रति रुझान रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। माता का सान्धिय मिलेगा।

मिथुन मानसिक तनाव रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध की अधिकता हो सकती है। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। दांतों या मसूड़ों में विकार हो सकतें हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, परन्तु स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी हो सकता है।

सिंह पिता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

कन्या माता से धन की प्राप्ति हो सकती है। संचित धन में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा देशाटन के लिए जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी।

तुला आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी। मन अशान्त रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि बढ़ सकती है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

धनु कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सुख शान्ति रहेगी।

मकर मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक शान्ति रहेगी। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी।

कुंभ जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

आज के जातक का भविष्यफल

आप भाग्यशाली हैं आपका जन्म 22 फरवरी 2019 को हुआ है। इस अंक का स्वामी हर्षल ग्रह है इस अंक के जातक का व्यक्तित्व बहुत अच्छा और आदर्शवादी होती है, बाहरी आडम्बर, शोर शराबा, दिखावा और बेमतलब की बातें पसंद नहीं करते, कंजूस सहनशील संघर्षशील, रूखे और निराश स्वभाव के होते हैं। महत्वपूर्ण वर्ष-13, 22, 31, 40, 49, 50। व्यवसाय- दवाई, नशा की वस्तु मजदूरी राजकीय सेवा, राजनीति, जुआ आदि। विशिष्ट समय-21 जून से 20 अगस्त। शुभ दिन- शनिवार। शुभ रत्न- गोमेद। शुभ रंग- हल्की काली, आसमानी। शुभ अंक-4/ 13/22/31। देव-श्री गणपति जी।

डिवीजनों से आई झूठी जानकारी का होगा खुलासा

बिजली कट के संदेही फीडरों को अब किया जा रहा एएमआर मीटरों से क्रास चेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि मीडिया समूह के आपरेशन ब्लैक आउट के खुलासे के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर इस मामले में पावर कंपनी बहुत गंभीरता से जांच कर रही है।

पहली जांच में सभी फीडरों की छह माह की रिपोर्ट में 380 फीडर बिजली कट के मामले में संदेह के घेरे में हैं। अब इन फीडरों की जानकारी को क्रास चेक करने के लिए फीडरों में लगे एएमआर मीटरों का सहारा लिया जा रहा है। इसमें डिवीजनों से अगर कोई गलत जानकारी आई होगी, तो उसका खुलासा हो जाएगा।

हरिभूमि मीडिया समहू के चैनल आईएनएच ने जब पिछले माह आपरेशन ब्लैक आउट को लेकर स्टिंग आपरेशन का खुलासा किया था, तब इसको लेकर पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा। इसके बाद इस मामले को प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने काफी गंभीरता से लेते हुए ऊर्जा विभाग को इस मामले की गंभीरता से जांच के निर्देश दिए। इस निर्देश के बाद ऊर्जा विभाग ने प्रदेश के सभी फीडरों से बिजली कट की छह माह की रिपोर्ट मंगाकर जांच करने का आदेश पावर कंपनी को दिया। इसके लिए पावर कंपनी ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजस्व ज्योति ननोरे को जांच का जिम्मा सौंपा। मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच अधिकारी ने तत्काल इस मामले में एक्शन लिया और सभी फीडरों से रिपोर्ट मंगाकर उनकी जांच का काम प्रारंभ किया। महज 12 दिनों में ही रिपोर्ट मंगाकर उसको खंगालने से यह बात सामने आई है कि 380 फीडरों में बिजली खराबी ठीक करने के मामले में कुछ न कुछ लोचा है। इन फीडरों में दस से लेकर सौ मिनट तक का ज्यादा समय लगा है।

एएमआर टीम जुटी जांच में

फीडरों से जो रिपोर्ट आई है, उसमें डिवीजनों से जो जानकारी दी है, उसको भी पावर कंपनी आंख बंद करके सही नहीं मान रही है। अगर किसी डिवीजन ने किसी फीडर को लेकर एक या दो बार बंद होने की जानकारी दी है तो उसकी जानकारी में कितनी सच्चाई है, इसका पता लगाने के लिए एएमआर टीम को जिम्मा दिया गया है। पावर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक हर फीडर में एक एएमआर मीटर रहता है, जिसका कंट्रोल सीधे कंट्रोल रूम से रहता है। इस मीटर की जांच में यह बात सामने आ जाती है कि फीडर को कितनी बार कितने समय के लिए कब-कब बंद किया गया था। संभव है, किसी फीडर को ज्यादा बार बंद किया गया हो जानकारी में इसको कम बताया गया हो। ऐसा हुआ होगा तो इसकी पूरी जानकारी मिल जाएगी।

घटना के समय मौके पर रही 30 से 40 लोगों की मौजूदगी

भरभराकर ढह गई तीन मंजिला इमारत मौके से नहीं भागते तो जाती कई जानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में गुरुवार को बड़ा हादसा होने से बच गया। थोड़ी चूक होने पर कई जानें जा सकती थीं। खमतराई व्यास तलाब के पास दोपहर 12 बजे एक होटल की तीन मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। इमारत गिरने की भनक लगते ही वहां मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

खास बात
- समय रहते नहीं भागते तो घट सकती थी बड़ी घटना

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे ही इमारत गिरने की भनक उन्हें लगी, वे मौके से अपनी जान बचाकर भागे। मौके से भागने के कुछ मिनट के अंदर इमारत भरभराकर गिर गई। इमारत गिरने की वजह इमारत के बगल में मकान बनाने के लिए खोदा गया गड्ढा था, जिससे होटल की नींव कमजोर हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने मकान निर्माण करा रहे निलेश कोठारी के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। व्यास तालाब के पास जो तीन मंजिला इमारत गिरी है, उसके बाजू में काले क्लीनिक तथा एक टाइल्स की दुकान है।

इमारत ढहने से मची अफरा-तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों की आंखों देखी

टाइल्स दुकान के संचालक अजय कुमार सोनी के मुताबिक दोपहर वह अपनी दुकान में बैठकर कामकाज निपटा रहे थे। उस समय उनकी दुकान में इक्का-दुक्का ग्राहक थे। इसी बीच दुकान के पास मौजूद उनका बड़ा भाई कालिया कुमार उनके पास पहुंचा और चिल्लाते हुए कहा कि दुकान से जल्दी निकल और ग्राहकों को वहां से भगा।

दो घंटा पहले जमीन फटने लगी

होटल में काम करने वाली जगेश्वरी साहू ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि वह रोज की तरह सुबह होटल में काम करने के लिए पहुंची, तो उसने पाया कि होटल की जमीन फट गई थी, साथ ही जमीन धंसने लगी थी। इसकी जानकारी उसने अपने होटल मालिक सुरेश केशवानी को दी। तब वहां काम करने वाले कर्मचारी उस पर हंसने लगे और उसका मजाक उड़ाने लगे।

होटल और क्लीनिक के लोगों की जान बचाई

अजय के दुकान से बाहर निकलने के बाद कालिया और उसके भाई ने होटल में नाश्ता कर रहे लोगों को तथा क्लीनिक में जाकर लोगों को बिल्डिंग गिरने की सूचना देते हुए तत्काल बाहर निकलने के लिए कहा। जैसे ही लोगों को होटल बिल्डिंग गिरने की जानकारी मिली, वे आनन-फानन में जिस स्थिति में थे, उसी स्थिति में बाहर निकले और दूर से बिल्डिंग को गिरते देखा। बिल्डिंग के गिरने के साथ ही वहां धूल का गुबार उठने लगा और वहां चीख पुकार मच गई।

अब स्पेशल टीम करेगी रेल पटरी चोरी की जांच

रायपुर। परसदा ओवरब्रिज के पास से करोड़ों रुपए कीमत की 365 रेल पटरी चोरी करने के केस की इन्वेस्टिगेशन अब मंदिरहसौद पुलिस नहीं करेगी।

खास बातें
- मंदिरहसौद पुलिस ने सौंपी केस डायरी, अब होगी छापेमारी
- जबलपुर सेंट्रल जेल से 10 शातिरों को वारंट पर पुलिस टीम लाएगी रायपुर

इसकी जांच करने स्पेशल टीम बनाई गई है, जिसकी प्रभारी इंस्पेक्टर सोनल ग्वाल को बनाया गया है। इसके लिए एसएसपी ने आदेश जारी किया है। मंदिरहसौद पुलिस ने गुरुवार को केस डायरी स्पेशल टीम को सौंप दी है। अब फैक्ट्री संचालकों को गिरफ्तार करने और जबलपुर सेंट्रल जेल में बंद मास्टर माइंड विनोद मराठा सहित गैंग के 10 सदस्यों को रायपुर लाने होमवर्क तेज हो गया है। संभावना है, एक-दो दिन में चोरी की रेल पटरी खरीदने वाले सरोरा स्थित छत्तीसगढ़ फेरो प्राइवेट लिमिटेड, उरला स्थित अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी, सिलतरा स्थित इस्पात इंडिया, हिंदुस्तान क्वाइटल, डेयरी स्पंज आयरन और महामाया स्पंज फैक्ट्री के मालिकों के ठिकानों पर छापेमारी शुरू हो जाएगी। दरअसल, आरोपी गैंग के मास्टर माइंड विनोद मराठा ने चोरी की रेल पटरियों को इन सभी फैक्ट्रियों में बेचना स्वीकार किया था।

आधी रात पहुंचा हार्टअटैक का मरीज, तत्काल मिला इलाज

रायपुर। बेचैनी बढ़ने के बाद निजी अस्पताल में जांच के दौरान हार्ट अटैक का पता लगने पर मरीज रात तीन बजे एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट पहुंचा, जहां पंद्रह मिनट के भीतर उपचार प्रक्रिया शुरू कर उसके हृदय की नस का सौ प्रतिशत ब्लाकेज हटाया गया। मरीज के बारे में जानकारी मिलते ही पंद्रह मिनट में डाक्टरों की टीम अलर्ट हुई और तत्काल इलाज कर उसकी जान बचाई गई।

खास बात
- डाक्टरों की टीम ने दिखाई तत्परता, हटाया गया सौ प्रतिशत ब्लाकेज

हृदय संबंधी बीमारी के इलाज की एकमात्र सुविधा वाले शासकीय अस्पताल एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में डाक्टरों की तत्परता, सक्रियता की वजह से लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। इसका उदाहरण पिछले पांच दिनों में हार्ट अटैक से संबंधित चार मामले एसीआई पहुंचे, जहां मौजूद डाक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज कर उन्हें खतरे से बाहर लाया। गुरुवार रात तीन बजे मोवा में रहने वाले 61 वर्षीय दिलीप भटनागर नामक मरीज की हालत बिगड़ी। उसे मोवा के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच में हार्ट अटैक का पता चला। मरीज अपना इलाज एसीआई में कराने के फैसले पर अडिग रहा, तब परिवार वाले उसे यहां लेकर आए। वहां के डाक्टरों की टीम को इसका पता चला, तो तत्काल वे एसीआई पहुंचे। मरीज को सीधे कैथलैब ले जाकर एंजियोग्राफी की गई और हृदय की दाहिनी नस में रक्त के ब्लाकेज को हटाया गया, जिससे मरीज को राहत मिली। मरीज के परिजन इस बात से बहुत संतुष्ट हैं कि उन्हें इमरजेंसी में किसी तरह की अन्य प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ा और चंद मिनटों में ही इलाज की प्रक्रिया पूरी हो गई।

94 साल की महिला को राहत

गुरुवार को ही एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में पहुंची बिलासपुर निवासी 94 वर्षीय परमेश्वरी बाई को राहत मिली। अधिक उम्र होन की वजह से उसके हृदय में लगा पेसमेकर त्वचा से बाहर निकल आया था। दो प्लास्टिक सर्जरी के बाद भी उसकी स्थिति नहीं सुधरी। डाक्टरों ने उसकी छाती की मांसपेशियों को पीछे कर नया पेसमेकर लगाया, जो अब बाहर नहीं आएगा।

सुबह साढ़े छह बजे पहुंचे

चंगोराभाठा में रहने वाले सब्जी व्यापारी रूपचंद मेश्राम को सुबह छह बजे अटैक आया। घरवाले उसे लेकर सीधे एसीआई पहुंचे। डाक्टरों ने उसकी जांच की और एंजियोग्राफी कर उन्हें हार्ट अटैक के खतरे से बाहर लाया। रूपचंद की हालत ठीक हो गई है। महासमुंद में हार्ट अटैक आने के बाद डब्लूएचओ के कर्मचारी भी एसीआई पहुंचे, जहां चेकअप के बाद उनकी सर्जरी की।

अधिकार समिति मनाएगी वादा निभाओ दिवस आज

रायपुर। चिटफंड कंपनियों से पीड़ित निवेशकों के भुगतान एवं अस्थाई कर्मियों के नियमितीकरण करने बजट में आवश्यक प्रावधान किए जाने की मांग पर छग नागरिक अधिकार समिति 22 फरवरी को वादा निभाओ दिवस मनाएगी। इस दिन कालीबाड़ी चौक में प्रदेशव्यापी आंदोलन कर अपने चुनावी वादों को पूरा करने की मांग प्रदेश सरकार से की जाएगी। समिति के अध्यक्ष शुभम साहू ने मांग की है कि बजट में जरूरी वित्तीय आबंटन किया जाना चाहिए।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक- 753 006 (ओडिशा), भारत
(Previously Known as CRRI)
विज्ञापन संख्या-44/....../2019
... 07.03.2020 ... 10.30 ... 11.30 ... http://www.icar-nrri.in ...
प्रधान अन्वेषक

भारत सरकार
कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग
कृषि भवन, नई दिल्ली- 110001
रिक्ति की घोषणा

कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग (DARE) ने रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (RLBCAU), झांसी (उत्तर प्रदेश) के उप कुलसचिव चयन हेतु नामों की सूची तैयार करने के लिए एक चयन समिति का गठन किया है। इस पद हेतु केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति को मिलने वाला वेतन एवं सुविधायें देय हैं।

निर्धारित प्रपत्र में पूर्णतः भरा हुआ आवेदन का चार सेट अतिरिक्त सचिव, कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग, कमरा नं. 109, कृषि भवन, नई दिल्ली 110001 के पास अंतिम 23 मार्च 2020 तक पहुंचाना अनिवार्य है। पूर्णतः निर्धारित प्रपत्र में भरा हुआ आवेदन usestt.dare@gov.in पर मेल भी किया जा सकता है।

इस पद के लिए पूर्ण विशेष जानकारी एवं अन्य सूचना DARE, ICAR एवं RLBCAU, झांसी की वेबसाइट पर भी प्राप्त की जा सकती है।

(http://dare.gov.in/, https://icar.org.in/ and http://www.rlbcau.ac.in)

डीएव्हीपी-01302/11/0016/1920

वाद के निपटारे/विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908)
न्यायालय-श्रीमान देवेन्द्र कुमार प्रथम अपर जिला न्यायाधीश रायगढ़ (छ.ग.)
(पीठासीन अधिकारीः श्रीमान देवेन्द्र कुमार)
नियमित व्यवहार अपील फा.क्र.-453/2019
पेशी तारीख-20.03.2020,
प्रोसस क्रमांक 2/2020
बृजलाल मिश्रा (मृत) द्वारा वारिसान श्रीमती छबिबाई व अन्य.... अपीलार्थीगण
//विरूद्ध//
रामबाई (मृत) द्वारा वारिसान सुभाष व अन्य ... उत्तरवादीगण
प्रति, 1/ श्रीमती हेमसुता पति पदुमनाथ दुबे उम्र लगभग 74 वर्ष निवासी-बनियापारा जूना, बिलासपुर तह. व जिला-बिलासपुर (छत्तीसगढ)
इस न्यायायल में अपीलार्थीगण ने आपके विरूद्ध अपील अन्तर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता नियमित व्यवहार अपील फा.क्र. 453/2019 बृजलाल मिश्रा (मृत) द्वारा वारिसान श्रीमती छबिबाई व अन्य बनाम रामबाई (मृत)द्वारा वारिसान सुभाष व अन्य प्रकरण संस्थित किया है।
आपको इस न्यायालय में तारीख 20.03.2020 को दिन में 11:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन/नोटिस किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके (आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों, जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं, पेश करें जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे आपके शक्ति या कब्जे में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसे दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।)
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई एवं निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यदि उक्त तिथि को पीठासीन अधिकारी के या पेशी दिनांक को अवकाश में होने या अवकाश होने की स्थिति में प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस में की जावेगी। अतः आज दिनांक 14.02.2020 को मेरे हस्ताक्षर से और इस न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
(देवेन्द्र कुमार)
प्रथम अपर जिला न्यायाधीश
रायगढ़ (छ.ग.)

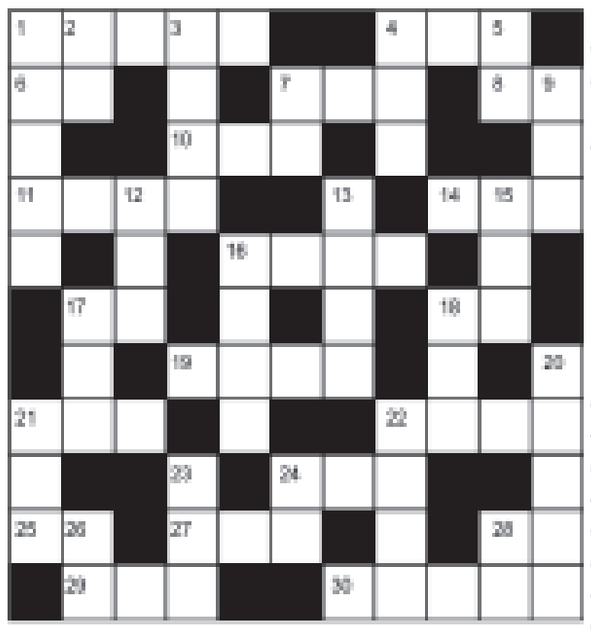

शब्द पहेली - 3998

शब्द पहेली- 3997 का हल

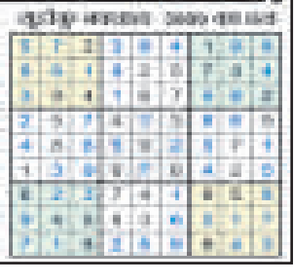

21- FEB- MAIN- Pg- 6 K&C_Layout 1 2/21/2020 11:51 PM Page 1

चिंतन

वोट बैंक के लिए न करें देश की एकता पर चोट

भारत विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और सम्प्रदायों का संगम स्थल है। देश में सभी धर्मों और सम्प्रदायों को बराबर का दर्जा मिला है। हिंदू के अलावा जैन, बौद्ध और सिख धर्म का उद्भव यहीं हुआ है। इस दुनिया में जितने भी वातावरण पाए जाते हैं वह सभी वातावरण हमारे भारत में उपस्थित हैं। देश में अनेक धर्म हैं इस सब के बावजूद शांति बनी हुई है, इसीलिए भारत को अनेकता में एकता देश भी कहा जाता है। राष्ट्रीय एकता का मतलब ही होता है, राष्ट्र के सब घटकों में भिन्न-भिन्न विचारों और विभिन्न आस्थाओं के होते हुए भी आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे का बना रहना। राष्ट्रीय एकता में केवल शारीरिक समीपता ही महत्वपूर्ण नहीं होती बल्कि उसमें मानसिक, बौद्धिक, वैचारिक और भावानात्मक निकटता की समानता आवश्यक है। हमारे मूल्य गहराई से अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं जिन पर हमारे ऋषि-मुनियों और विचारकों ने बल दिया है। इन मूल्यों को सभी धर्मग्रंथों में स्थान मिला है। चाहे कुरान हो या बाइबिल, गुरुग्रंथ साहिब हो या गीता, हजरत मोहम्मद, ईसा मसीह, गुरुनानक, बुद्ध और महावीर सभी ने मानव मात्र की एकता, सार्वभौमिकता और शांति की महायात्रा पर जोर दिया है। देश के लोग चाहे किसी भी मजहब के हों, अन्य धर्मों का आदर करना जानते हैं। क्योंकि सभी धर्मों का सार एक ही है, इसीलिए विश्व बिरादरी में भारत को सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का दर्जा प्राप्त है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से कई राजनीतिक दलों के नुमांइदों द्वारा लगातार की जा रही बयानबाजी से मजहबों के बीच कटुता एवं वैमनस्यता का माहौल बन रहा है। यह राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा और देश की गंगा जमनी तहजीब के लिए खतरनाक है। इसका ज्यादा असर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन कानून बनाने के बाद देखने को मिल रहा है। विधेयक को संसद में पेश करते समय ही गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कर दिया था कि यह कानून केवल पड़ोसी मुस्लिम देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, इसाई और पारसी समुदाय के लोगों को नागरिकता देने का कानून है, न कि किसी की नागरिकता छीनने का। इसके बावजूद कुछ राजनीतिक दल एक विशेष समुदाय को भ्रमित करके राजनीतिक रोटियां सकने का प्रयास कर रहे हैं। केवल वोट बैंक के लिए ऐसी बयानबाजी की जा रही है, जो देश की एकता, अखंडता के लिए खतरनाक है। मंगलवार को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रवक्ता वारिस पठान ने समाज में जहर घोलने वाला बयान देते हुए कहा कि ईंट का जवाब पत्थर से देना अब हम लोग सीख गए हैं, अगर हम सब एक साथ आए तो क्या होगा। 15 करोड़ हैं मगर 100 करोड़ के ऊपर भारी हैं। अगले ही दिन खुद असदुद्दीन ओवैसी की एक जनसभा में एक युवती ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। अभी देश इन बयानबाजियों को भूला नहीं था कि केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि भारत सभी मुस्लिमों को पाकिस्तान न भेज पाने की कीमत चुका रहा है। ऐसे भड़काने वाले बयानों का देश की एकता पर क्या असर होगा, यह चिंतन का विषय है। अगर आपको सरकार के किसी कानून, किसी आदेश पर ऐतराज है तो शांतिपूर्वक विरोध करें। आप सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं, लेकिन वोट बैंक के लिए महजबी एकता पर चोट करने का अधिकार किसी को नहीं है। देश की एकता और अखंडता के लिए भड़काऊ भाषणों और सांप्रदायिक वक्तव्यों से परहेज रखकर सभी धर्मों का सम्मान करते हुए ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता है, जिसमें किसी धर्म या संप्रदाय की धार्मिक भावना आहत न हों और देश विकास की और अग्रसित हो। देश के नेताओं के पास ज्ञान का भंडार है, जिसका नकारात्मक बयान देने के बजाय सकारात्मकता के लिए उपयोग करें।

जिरहनामा

कनक तिवारी

9425220737

संविधान सभा ने समिति गठित कर आईन का हिंदी में तर्जुमा कराया। अध्यक्षता दुर्ग, छत्तीसगढ़ निवासी घनश्याम सिंह गुप्त ने की। दोबारा अनुवाद संशोधित किया गया। उसे आचार्य रघुवीर की अध्यक्षता की कमेटी ने किया। हिंदी अनुवाद तो अंग्रेजी पाठ से ज्यादा कठिन और गैरसंसूचनात्मक है। मातृभाषा हिन्दी में हृदयंगम करने की कोशिश में भावातिरेक, आत्ममुग्धता या अतिरिक्त आत्मविश्वास के कारण शब्दकोश को लोग नहीं देखते। नतीजा सिफर निकलता है।

संविधान को ऐसे पढ़ाए सरकार

देश को केंद्र सरकार का शुक्रगुजार होना चाहिए। अनुच्छेद 370, राममंदिर, तीन तलाक, नागरिकता संशोधन अधिनियम वगैरह से उपजी बहस में सरकार के विरोध के बवाल के चलते छात्रों, महिलाओं, श्रमिक संगठनों और राजनीतिक पार्टियों सहित बुद्धिजीवियों ने संविधान की पोथी और राष्ट्रीय ध्वज को अपनी जद्दोजहद का प्रतीक बना लिया है। वे इन्हें हाथ में लेकर ही विरोध दर्ज कर रहे हैं। संविधान का सौभाग्य है कि सत्तर वर्ष बाद उसकी अपनी जिल्द खोलने के लिए लोगों को बिल्ली के भाग से छींका टूटा जैसा मौका मिला। संविधान गंभीर समझ की कठिन किताब है। विदेशी भाषा अंगरेजी में लगभग तीन सौ न्यायशास्त्रियों, वकीलों, राजनेताओं, रियासतों और सामाजिक हितों के प्रतिनिधियों ने तीन वर्ष की मशक्कत के बाद 9 दिसंबर 1946 से 26 नवंबर 1949 की अवधि में संविधान को मुकम्मिल किया। उसकी भाषा कठिन, प्रांजल और शास्त्रीय है। उसका मर्म कई वकीलों और जजों में भी ठीक से जज्ब नहीं होता है।

संविधान सभा ने समिति गठित कर आईन का हिंदी में तर्जुमा कराया। अध्यक्षता दुर्ग, छत्तीसगढ़ निवासी घनश्याम सिंह गुप्त ने की। दोबारा अनुवाद संशोधित किया गया। उसे आचार्य रघुवीर की अध्यक्षता की कमेटी ने किया। हिंदी अनुवाद तो अंग्रेजी पाठ से ज्यादा कठिन और गैरसंसूचनात्मक है। मातृभाषा हिन्दी में हृदयंगम करने की कोशिश में भावातिरेक, आत्ममुग्धता या अतिरिक्त आत्मविश्वास के कारण शब्दकोश को लोग नहीं देखते। नतीजा सिफर निकलता है। संविधान की पंडिताऊ किस्म की हिन्दी पल्ले नहीं पड़तीं। अनुवर शब्द किसी अज्ञात दीवार से टकराकर प्रतिध्वनि की तरह लौट लौट आते हैं। संविधान दुनिया में सबसे बड़ा आख्यान है। उसमें करीब 90000 शब्द हैं। अमेरिका के संविधान में केवल 7000 शब्द हैं। छत्तीसगढ़ के सबसे पुराने और बड़े विश्वविद्यालय रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर में एलएल0एम0 की कक्षाएं पिछले चालीस, पैंतालीस साल से चल रही हैं। हर साल चालीस विद्यार्थी भर्ती हो सकते हैं। जानकारी है बमुश्किल दो या तीन विद्यार्थी हर साल परीक्षा पास कर पाते हैं। इस ओर सरकार का ध्यान नहीं गया होगा। विधि के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय में अच्छी पुस्तकों का अभाव है। एक पूर्व कुलपति ने तो यहां तक कह दिया था कि एल0एल0 एम0 की पढ़ाई की हालत देखते इस पाठ्यक्रम को ही बंद कर दिए जाने के पक्ष में हूं। यह है एक कुलपति की कानून की उच्च शिक्षा के बारे में धारणा! मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ बीमारू राज्यों के घटक हैं। यहां उच्च शिक्षा की हालत बहुत खराब है। सरकारों ने उच्च शिक्षा के मानदंड और स्तर को उठाने ठोस प्रयास नहीं किए। दोनों प्रदेशों में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों का बहुलांश है। दोनों राज्यों में विद्यार्थियों को संविधान पढ़ाया जाना दिलचस्प, चुनौतीपूर्ण, मनोरंजक और जद्दोजहद की कल्पना भी दिखाई पड़ती है। संविधान का अध्यापन राजनीति विज्ञान और कानून के अध्यापकों द्वारा ही हो सकता है। राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक

संविधान में रोज रोज हो रहे संशोधनों, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और अन्य बदलावों के बारे में जानकारी नहीं रख सकते। उन्हें राजनीति विज्ञान की मूल अवधारणा को ही पढ़ना पढ़ाना होता हैं। कानून के अधिकांश अध्यापक पेशेवर वकील ही पढ़ाने जाते हैं। उनका जिला स्तर पर संविधान से पाला नहीं पड़ता।

सरकारों को समझना होगा गांधी ने तजबीज की थी कि मूल कर्तव्य सबके लिए लागू किए जाएं। जो मूल कर्तव्य का निर्वाह नहीं करें उन्हें मूल अधिकार का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसी के चलते प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व ने 1977 में संविधान के बयालीसवें संशोधन में अनुच्छेद 51क के जरिए मूल कर्तव्य शामिल किए। इन मूल कर्तव्यों का प्रारूप बनाकर विद्यार्थियों और जनता में वितरित किया जाए, तो उससे ज्यादा लाभ होगा। संविधान की उद्देशिका का कोरा वाचन या पाठ बहुत फलदायी नहीं होगा। संविधान की अनुसूची 3 में मंत्रियों के लिए पद और गोपनीयता की शपथ का प्रारूप है। प्रत्येक वर्ष संविधान दिवस अर्थात 26 जनवरी को मंत्रिपरिषद के सदस्य शपथ पत्र का प्रारूप बनकर राज्य की जनता के सामने शपथ लें कि जो कुछ उन्होंने पद और गोपनीयता की शपथ ली है, उस पर वे आचरण कर रहे हैं। संविधान के प्रति उनकी निष्ठा का एक प्रदर्शन जनता के सामने हो सकेगा।

महत्वपूर्ण फिल्म निर्माता निर्देशक श्याम बेनेगल ने संविधान सभा की कार्यवाही पर आधारित धारावाहिक सीरियल "संविधान बनाया है। सरकारों को चाहिए कि सीरियल को राज्य के सिनेमाघरों में विद्यार्थियों के लिए मुफ्त में प्रदर्शन कराएं। प्रदेष शासन के सभी विभागों में आई0ए0एस0 अधिकारी सचिव नियुक्त होते हैं। केवल विधि विभाग के सचिव पद पर जिला न्यायाधीश स्तर के अधिकारी को प्रतिस्थापित किया जाता है। जिला न्यायलय के स्तर पर संविधान का उपयोग लगभग नहीं होता है। राज्य सरकार के सामने अधिकतर संविधान के मामले ही आते हैं। विधि सचिव राय देता है जो अंततः आगे ठीक नहीं ठहरती। फिर उसे बाहर से बुलाए वकीलों के हवाले मोटी फीस देकर ठीक करने की असफल कोशिशें की जाती हैं। मोदी सरकार जिसे राष्ट्रवाद कहती है, उसे विरोधी हिंदुत्व प्रचार कहते हैं। संसद में अभी जो अधिनियम पारित हो रहे हैं, उनकी प्रतिक्रिया में राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के पक्ष में माहौल बना है। सबको संविधान पढ़ने की इच्छा हो गई है। शाहीन बाग में बुर्कापरस्त औरतों के हाथ में भी आईन की किताब है। जामिया मिलिया, जे0एन0यू0, अलीगढ़ से लेकर देश के सभी विश्वविद्यालयों के छात्र संविधान की पोथी के आधार पर आजादी का नारा बुलंद कर रहे हैं। संविधान के कवर पेज की फोटो उनके कपड़ों में छाती और पीठ पर लग गई है। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने आती है। वे संविधान की किताब और तिरंगे झंडे को हाथ में बचाव की मुद्रा में ले लेते हैं। रायगढ़ के एक युवक ने कुछ वर्षों पहले मीडिया के माध्यम से मांग की थी भारत सरकार देश के नागरिकों को संविधान की एक एक प्रति मुफ्त में मुहैया कराए। सरकार न तो ऐसा कर सकती थी और न ही उसने किया। नवयुवक की भारत के नागरिकों में संविधान को समझने पढ़ने की ललक के चलते मांग करना बहुत ही मुनासिब था। संविधान के जिन प्रावधानों को राज्य सरकारें समझती हैं कि छात्रों को समझ लेना चाहिए और नागरिकों को भी,उनकी संक्षिप्त सरल भाषा में पुस्तिका बनाकर प्रकाशित करें और जनता और विद्यार्थियों में मुफ्त में वितरित करें।

पाठ्यक्रम में भी संविधान का ऐसा पाठ निर्धारित करें। संविधान के मूल अधिकार, नीति निदेशक तत्व और मूल कर्तव्य यह तीन परिच्छेद सबसे महत्वपूर्ण हैं। इनमें जिन विषयों का वर्णन किया गया है, उनसे संबंधित मंत्रालयों और सचिवों के कक्ष में उनका उल्लेख बड़े बड़े बोर्ड लगाकर इस तरह किया जाए कि लोग उन्हें आसानी से पढ़ सकें और उनसे चर्चा कर सकें।

आदतों का अंतर्संबंध

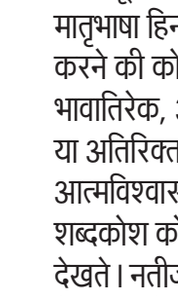

संकलित

दर्शन

मानव देह में मन का विशेष स्थान है। क्योंकि मन में अगर संतोष है तो सारी दुनिया संतुष्ट दिखाई देती है और मन के अन्दर प्रेम है तो सारा संसार हंसता-गाता हुआ प्रसन्न नजर आता है। मतलब यह हुआ कि मन ठीक हो तो सबकुछ अच्छा लगता है, नहीं तो सब बुरा प्रतीत होता है। इंसान व्याकुल और बेचैन रहता है। उसे न घर में चैन आता और न बाहर जाने की इच्छा होती है, क्योंकि मन ठीक नहीं है। इस मानव मन के ऊपर जन्म-जन्मांतरों की प्रवृत्तियां, और उनकी परतें जमी रहती हैं। प्रवृत्त मन के अंदर ईर्ष्या, द्वेष, वैर, विरोध, हिंसा, क्रूरता और अपने पूर्वजों के संस्कारों की प्रवृतियां अंकित रहती हैं। जिन प्रवृतियों को हम मानव पूर्व जन्म में काट नहीं पाते, वे इस जन्म में लहर बनकर, बीज बनकर और संस्कार बनकर कर्मों में दिखाई देते हैं। अनुकूल माहौल मिलने पर वह भयंकर रूप धारण करके सामने प्रकट हो जाता है। इसी कारण से इंसान को दुःख भोगना पड़ता है। मन में दबी हुई प्रवृत्तियां आदत बनकर हमेशा सामने आती हैं। हमारे अवचेतन मन में न केवल इस जन्म के,बल्कि पूर्वजन्मों के संस्कार जमा रहते हैं। ज्ञानी कहते हैं कि जीव के सारे जन्मों का संचय इस अचेतन मन में होता है। संवेदनशील व्यक्ति बहुत बार स्वयं ही अपनी आदत से लज्जित हो जाता है और अपने आप से लज्जित होना अच्छी बात होती है। यह हम सभी को सीखना चाहिए।

असंतोष बढ़ाता है चिंता

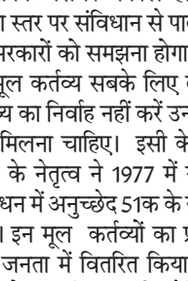

संकलित

प्रेरणा

संतोष कोई सांत्वना नहीं है- यह स्मरण रहे। मैंने बहुत से लोग देखे हैं जो सोचते हैं कि वे संतुष्ट हैं, क्योंकि वे तसल्ली दे रहे हैं स्वयं को। नहीं, संतोष सांत्वना नहीं है, सांत्वना एक खोटा सिक्का है। जब तुम सांत्वना देते हो स्वयं को, तो तुम संतुष्ट नहीं होते। वस्तुतः भीतर बहुत गहरा असंतोष होता है। लेकिन यह समझ कर कि असंतोष चिंता निर्मित करता है, यह समझ कर कि असंतोष परेशानी खड़ी करता है, यह समझ कर कि असंतोष से कुछ हल तो होता नहीं-बौद्धिक रूप से तुमने समझा-बुझा लिया होता है अपने को कि 'यह कोई ढंग नहीं है।' तो तुमने एक झूठा संतोष ओढ़ लिया होता है स्वयं पर; तुम कहते रहते हो, 'मैं संतुष्ट हूं। मैं सिंहासनो के पीछे नहीं भागता; मैं धन के लिए नहीं लालायित होता; मैं किसी बात की आकांक्षा नहीं करता।' लेकिन तुम आकांक्षा करते हो। अन्यथा यह आकांक्षा न करने की बात कहां से आती? तुम कामना करते हो, तुम आकांक्षा करते हो, लेकिन तुमने जान लिया है कि करीब-करीब असंभव ही है पहुंच पाना; तो तुम चालाकी करते हो, तुम होशियारी करते हो। तुम स्वयं से कहते हो, 'असंभव है पहुंच पाना।' भीतर तुम जानते हो: असंभव है पहुंच पाना, लेकिन तुम हारना नहीं चाहते, तुम नपुंसक नहीं अनुभव करना चाहते, तुम दीन-हीन नहीं अनुभव करना चाहते, तो तुम कहते हो, 'मैं चाहता ही नहीं।' कहने का आशय यह है कि हमें झूठे संतोष को नहीं अपनाना चाहिए।

स्मृति-शेष

हसन खान

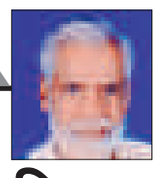

अद्भुत खूबियों के मालिक मौलाना अबुल कलाम आजाद

भारत को आजाद कराने वालों और आजाद भारत की तामीर करने वालों में मौलाना अबुल कलाम आजाद का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा। मौलाना आजाद महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देशभक्त तथा अद्भुत खूबियों के मालिक थे। आप 11 नवंबर 1888 में मक्का में पैदा हुए थे, 14 वर्ष की आयु में ही, आप अपने माता-पिता के साथ कलकत्ता में आकर बस गए थे। मौलाना अंग्रेजों के घोर विरोधी थे। सच की आवाज साप्ताहिक अखबार निकालकर उन्होंने हिंदू-मुसलमान दोनों में भारतीयता का जज्बा पैदा किया । 1921, 1930, 1932, 1940 और 1942 के भारत छोड़ों आंदोलन के साथ-साथ महात्मा गांधी ने जो भी सत्याग्रह चलाये मौलाना आजाद उनमे सबसे आगे दिखायी दिये। वे कई बार जेल गए। आपके देश-प्रेम और त्याग को देखते हुए 1932 में सर्वसम्मति से आपको अखिल भारतीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। मौलाना आजाद राष्ट्रीय भावना के व्यक्ति थे, उन्हें यह सब देखकर बड़ा दुख हुआ। गांधी जी के असहयोग आंदोलन का उन पर बड़ा असर था, इसलिए मौलाना आजाद ने अपने स्वाधीनता संग्राम के संघर्ष को बढ़ाते हुए हिन्दू-मुस्लिम एकता का आव्हान किया और इस कारण वो अंग्रेजों के नजर में आ चुके थे। यह ऐसा समय थाा, जब मुस्लिम लीग का जन्म हो चुका था और मौलाना को मुस्लिम लीग के लोग शो-बॉय कहकर चिढ़ाया करते थे। मौलाना आजाद ने देश पर मर-मिटने के साथ बहुत सारी खूबियां ही खूबियां थी, यही करण था कि, जब भारत में प्रथम अंतरिम सरकार बनी तो, उसमें मौलाना आजाद को भी मंत्री बनाया गया था। दुर्भाग्य की बात है, अंग्रेजों की चाल के कारण देश के सामने बंटवारे की समस्या खड़ी हो गयी और मौलाना आजाद अबुल कलाम आजाद विभाजन के घोर विरोधी थे। अपने दर्द दिल को बयां करते हुए वो कहते है कि, फिर यह बटवारा क्यों, क्या मेरी एक आंख निकाल ली जायेगी? क्या मेरा एक हाथ काट दिया जाएगा? क्या मेरे दिल के टुकड़े कर दिए जाएंगे? वो रोते जाते थे और कहते जाते थे कि, देश का बटवारा मेरे लाश पर होगा। वो टूट गये थे और जिंदगी भर जो ख्वाब उन्होंने देश की एकता और तरक्की के लिए बुन थे वह सब टूट चुके थे। उन्होंने जीवन भर जिन सपनों को अपनी आंखों में संजोया था, वो सब बिखर चुके थे और जिस हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए उन्होंने जीवनभर संघर्ष किया, वो संघर्ष मुस्लिम लीग ने पूरी तरह बिखेर दिया, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी, वो लगातार देश की एकता के लिए तत्पर रहे और हिन्दू-मुस्लिम एकता के बानी बने रहे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद ने देश की आजादी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने अपने जीवन के अमूल्य 11 वर्ष देश की आजादी की संघर्ष्ज के कारण विभिन्न जेल में बिताए थे। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ हैर नेहरू जी प्रधानमंत्री बने, तो उनको अपने मंत्रीमंडल में सम्मिलित किया था। वो भारत देश के क्षेत्र में नई-नई जागृति पैदा की। देश का यह सौभाग्य था कि, उसे मौलाना आजाद जैसा स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षविद् जैसा पहला शिक्षा मंत्री मिला। 22 फरवरी 1958 को हमसे विदा हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक, हिन्दू-मुस्लिम एकता के अलंबरदार तथा अनेठे व्यक्तित्व वाले शायर, लेखक, शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आजा हम लोगों को छोड़कर चले गये। पं. जवाहन लाल नेहरू ने अपने आंसुओं के बीच कहा था कि, मौलाना दिवंगत हो गये। हम सब को इस स्थिति का सामना एक न दिन करना ही पड़ेगा, परंतु राष्ट्र का काफिला बराबर चलता रहेगा। वास्तव में मौलाना के देहांत ने इस काफिले में एक रिक्त स्थान पैदा कर दिया, जो अब कभी भरा नहीं जा सकता। वास्तव में मौलाना आजाद जेसे खूबियों वाला व्यक्ति और महान देश भक्त दूसरा नहीं हुआ है। मौलाना आजाद सदैव हमारी स्मृतियों में रहेंगे, उनका देश प्रेम, उनकी देश भक्ति, उनकी वतन से मोहब्बत हमेशा हमें राह दिखाती रहेगी और हम हमेशा उनके कृतज्ञ रहेंगे। *(लेखक आकाशवाणी के पूर्व निदेशक व छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)*

अंतर्मन

आज की पाती

अधिकारियों का रवैया

सरकारी कर्मचारियों की मेहनत और लगन की जांच करना सरकार और अधिकारियों का कार्य है, परंतु इसका असर सीधे तौर से जनता पर होता है। दफ्तर में किसी कार्य के सिलसिले में पहुंचे व्यक्ति से उसकी हैसियत, पेशे के अनुसार व्यवहार किया जाता है। कर्मचारियों का रौब दिखाकर बात करना आम बात है। अधिकारियों को नियमित रूप से दफ्तरों के कार्यों की जांच करनी चाहिए। उन कर्मचारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, जो अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। अगर नकारात्मक रवैये का कारण कर्मचारियों पर वर्क लोड है, तो हर दफ्तर में 'पब्लिक डीलिंग' कर्मचारी की तैनाती की जानी चाहिए, जिसका कार्य केवल जनता के विषयों को सुनना और हल निकालना होना चाहिए। -विनीता चक्रधारी

ट्रेंड

फिटनेस के साथ बचत

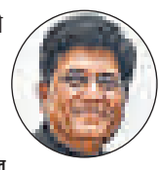

फिटनेस के साथ बचत भी। दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर फिटनेस को प्रोत्साहित करने के लिए अनूठा प्रयोग किया गया है। यहां लगाई गई मशीन के सामने एक्सरसाइज करने पर प्लेटफार्म टिकट निशुल्क दिया जा सकता है।

-पीयूष गोयल

प्रेरित होंगी लड़कियां

मैं भारतीय टीम के लिए जयकार करूंगा। हमारी महिला टीम तिरंगा लेकर ऑस्ट्रेलिया पहुंची है। टी-20 विश्वकप शुरू हो गया है। सभी टीमों को भी शुभकामनाएं। दुनिया भर की लड़कियां आपको देखेंगी और खेलकूद के लिए प्रेरित होंगी।

-सचिन तेंदुलकर

पराक्रम के देवता

भगवान शिव संयम, समाधि, संतुलन, सिद्धि, संस्कृति, शौर्य, पराक्रम के देवता हैं। शिव में एक तरफ शांति है और दूसरी तरफ क्रांति हैं। हम योग और कर्मयोग के मार्ग पर चल करके अपने शिवत्व को जगाएं। शिवरात्रि की अनंत-अनंत शुभकामनाएं।

-बाबा रामदेव

संगीत का कमाल

ट्यूमर के लिए ब्रेन सर्जरी करते समय डगमर टर्नर वायलिन बजाता है। उसे मस्तिष्क के उन हिस्सों को सुनिश्चित करने के लिए वायलिन बजाने के लिए कहा गया था जो नाजुक हाथ की गति को नियंत्रित करते हैं। कमाल है संगीत।

-हर्ष गोयनका

करंट अफेयर

20 लाख डॉलर की घड़ियों की चोरी के लिए भारतीय गिरफ्तार

दुबई। दुबई में एक घड़ी की दुकान में काम करने वाले एक 26 वर्षीय भारतीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय मूल के उस व्यक्ति पर 20 लाख डॉलर से अधिक की 86 महंगी घड़ियों को चोरी करने का आरोप है। दुबई के मशहूर गोल्ड सूक की एक घड़ी और ज्वेलरी की दुकान से कीमती सामान चुराने का आरोप लगने के बाद उस शख्स पर दुबई कोर्ट में मुकदमा चलाया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 20 लाख डॉलर मूल्य की 86 चोरी गई घड़ियों की शिकायत छह जनवरी को नाइफ पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। दुकान के मालिक ने बताया कि क्लीनर ने घड़ी चोरी करने की बात को कबूल किया, क्योंकि उसे पैसे की जरूरत थी। हालांकि, उसने अन्य दुकानों से कोई भी सामान चोरी करने से इनकार किया। लेकिन हमें उस पर विश्वास नहीं है। उन्होंने बताया कि हमने भारत में हमारी दुकान में प्रबंधक के रूप में काम करने वाले उसके भाई को दुबई बुलाया। आरोपी ने चोरी की वारदात को कबूल कर लिया है।

ऑफ बीट

जहरीला रेगिस्तान, जहां जाने से कतराते हैं लोग

नई दिल्ली। मध्य एशिया में कजाखस्तान-उज्बेकिस्तान की सीमा पर एक छोटा सा द्वीप है। ये चारों तरफ से जहरीले रेगिस्तान से घिरा हुआ है। अब इसे द्वीप कहना ठीक नहीं होगा, क्योंकि इसके आस-पास की झील यानी अराल सागर अब कमोबेश सूख चुकी है। इस द्वीप का नाम वोजरोझडेनीया है। किसी दौर में ये मछली मारने का बहुत बड़ा ठिकाना था। ये उस वक्त की बात है जब अराल सागर दुनिया की चौथी बड़ी झील हुआ करती थी। लेकिन सोवियत संघ ने इस झील का इतना दुरुपयोग किया कि आज ये झील सूख चुकी है। इस वजह से वोजरोझडेनीया से भी जजीरा होने का खिताब छिन गया है। आज ये जगह कीटनाशकों का ढेर है। यहां पर पारा अक्सर 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। जिंदगी के निशान के तौर पर यहां सिर्फ सूखे हुए दरख्त दिखते हैं। कभी-कभार यहां पर सुस्ताते हुए ऊंट भी दिख जाते हैं, जो किसी जमाने में यहां चलने वाले बड़े जहाजों की छांव में बैठते हैं। वोजरोझडेनीया द्वीप ने अराल सागर का पानी इतना सोख लिया है कि इसका आकार दस गुना तक बढ़ गया है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

21- FEB- MAIN- Pg- 7 K&C_Layout 1 2/21/2020 11:53 PM Page 1

वाणी में ओज, चेहरे पर तेज और ममता बरसाती उनकी आंखों को याद कर दुखी है सरगुजा का हर परिवार

नैनं छिद्रन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत॥

गरिमा, मर्यादा, प्रखरता और सौम्यता का संगम था राजमाता का व्यक्तित्व

हिमाचल प्रदेश के जुब्बल स्टेट की राजकुमारी देवेंद्र कुमारी सिंहदेव जब महाराज कुमार एमएस सिंहदेव से ब्याहकर सरगुजा आई तब उनकी उम्र महज 15 वर्ष की थी। अपने सरल स्वभाव, अनुशासन प्रियता एवं सरगुजा के प्रति लगाव के कारण न केवल राजपरिवार बल्कि आजीवन पूरे सरगुजा के लोगों के लिए वे प्रिय बनी रहीं। राजपरिवार की पदवी के अनुसार लोग उन्हें राजमाता का सम्बोधन करते थे, वे भी बिना भेदभाव हर छोटे-बड़े को अपनी ममता का बोध कराती थीं। उनके जाने से न केवल राजपरिवार के सदस्यों को आघात लगा है बल्कि उन्हें जानने वाला हर शख्स दुखी है।

राजकुमारी के पिता एवं जुब्बल रियासत के राजा दिग्विजय सिंह विदेश सेवा में थे। वे लम्बे समय तक प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के ओएसडी रहे। उन्होंने राजकुमारी देवेंद्र कुमारी सहित राजपरिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए घर में ही नौ रिटायर्ड प्राचार्य व प्राध्यापकों को नियुक्त किया था। रिटायर्ड प्राचार्य व प्राध्यापक हर दिन परिवार के बच्चों को अलग-अलग विषयों की शिक्षा देते थे। शिक्षा में उन्हें किताबी ज्ञान के साथ ही राज-काज की व्यवस्था से भी परिचित कराया जाता था।

राजकुमार एमएस सिंहदेव का ब्याह करने महाराजा रामानुजशरण सिंहदेव सरगुजा से बारात लेकर जुब्बल स्टेट गए थे। तब बारात के लिए देश की अलग-अलग रियासतों से चांदी के हौदे वाले हाथी व घोड़े मंगवाए गए थे। राजकुमारी देवेंद्र कुमारी जब बहू बनकर सरगुजा आईं तब राजकुमार एमएस सिंहदेव इलाहाबाद में रहकर स्नातक की पढ़ाई कर रहे थे। वे भी राजकुमार के साथ रहने इलाहाबाद चली गईं। वर्ष 1954 में जब राजकुमार एमएस सिंहदेव ने आईएएस की परीक्षा उत्तीर्ण की तो राजपरिवार में इस बात को लेकर खलबली मच गई कि राजकुमार के नौकरशाह बनने पर रियासत की गरिमा प्रभावित होगी। महाराज रामानुजशरण सिंहदेव ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, गोविन्द वल्लभ पंत, चक्रवर्ती राजगोपाल चारी, सरोजनी नायडू आदि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से गहरी मंत्रणा करने के बाद राजकुमार एमएस सिंहदेव को नौकरी करने की स्वीकृति दी। आईएएस बनने के बाद एमएस सिंहदेव की पहली पोस्टिंग अमरावती में प्रशिक्षु एसडीएम के दौर पर हुई। प्रशिक्षण पूरा होने पर वे लम्बे समय तक रतलाम व छतरपुर के कलेक्टर रहे। बाद में मध्यप्रदेश के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी बने तथा चीफ सेक्रेटरी पद से रिटायर हुए। इस दौरान राजमाता सदैव महाराज एमएस सिंहदेव के साथ रहीं तथा सरगुजा रियासत की परम्परा के अनुसार हर साल दशहरा उत्सव में शामिल होने सरगुजा आते थे तथा जिलेभर के लोगों से मिलकर उनका हाल चाल लेते थे। जब भी वे सरगुजा आतीं पैलेस में उनसे मिलने वालों का पूरे दिन जमघट लगा रहता। इसके बाद हुए विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन में सरगुजा संसदीय क्षेत्र के 9 विधानसभा क्षेत्रों को अजजा के लिए आरक्षित कर दिया गया। वर्ष 1980 में वे जिले की एकमात्र बैकुंठपुर सीट से चुनाव लड़ी तथा भारी मतों से जीतीं। मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की सरकार में सिंचाई मंत्री बनी।

अंतिम समय तक राजमाता की सेवा में जुटा रहा परिवार

बेटे को राजनीति में लाने की नहीं थी इच्छा

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव व महाराजा एमएस सिंहदेव की इच्छा ज्येष्ठ पुत्र टीएस सिंहदेव को राजनीति में लाने की नहीं थी। दोनों चाहते थे कि टीएस बाबा कानून की पढ़ाई करें। टीएस बाबा की भी राजनीति में कोई रूचि नहीं थी। कांग्रेस के तत्कालीन वरिष्ठ सदस्यों की कार्यप्रणाली से कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने को उपेक्षित महसूस करते थे और टीएस बाबा को सक्रिय राजनीति में उतारने के लिए दबाव बनाने लगे। सरगुजा रियासत व राजमाता की राजनीतिक विरासत को संभालने की युवा कार्यकर्ताओं की मांग व दबाव में टीएस बाबा ने हामी भर दी तथा माता-पिता की राय लिए बिना नपा अध्यक्ष पद के नामांकन जमा कर दिया। टीएस बाबा भारी मतों से विजयी हुए तथा नपा अध्यक्ष बनकर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। बाद में माता-पिता ने उनके इस कदम का समर्थन किया।

स्मरण

गर्व से कहती थीं-बच्चों ने मुझे पर्याप्त समय दिया

अस्वस्थ होने के कारण वे लगातार तीन सालों तक दिल्ली स्थित अपने घर में रहीं। वे सरगुजा के लोगों को अपने सामने देखकर खुश हो जाती थीं। वे ठीक होकर सरगुजा आने की इच्छा व्यक्त करती थीं। कांग्रेस के प्रदेश सचिव शफी अहमद बताते हैं कि राजमाता ने उनसे गर्व से कहा कि उनके बच्चों ने उन्हें पर्याप्त समय दिया। आज के समय में बड़े परिवार के बच्चे साधन-सुविधा तो उपलब्ध करा देते हैं लेकिन समय नहीं दे पाते। मेरे बच्चे व्यस्तता होने के बावजूद पूरे समय मेरे साथ रहे।

उनके सिर से कभी साड़ी का पल्लु नहीं उतरा

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव अनुशासन एवं परम्पराओं की पोषक थीं। अपने राजनीतिक जीवन में कई बार देश विदेश गईं तथा बड़ी बैठकों में शामिल हुईं लेकिन सदैव एक सामान वेशभूषा में रहीं। उनके सिर से कभी साड़ी का पल्लु नहीं उतरा। यहां तक कि गंभीर रूप से बीमार होने के बावजूद वे सदैव अपने सिर को पल्लु ढंके रहतीं थीं। उनके इस अंदाज से पूरे क्षेत्र के लोग उनके कायल थे तथा अनुशासन का पालन करते थे।

बेटे की जीत पर कराया मुंडन हतप्रभ रह गया पूरा परिवार

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव वर्ष 2008 में जब पहली बार विधानसभा चुनाव जीते तो राजमाता का चेहरा ख़ुशी से खिल उठा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना बेटी आशा कुमारी, मंजुश्री आनंद को दी तथा सपरिवार बाला जी दर्शन करने, चलने को कहा। वहां पहुंचकर उन्होंने बेटे टीएस सिंहदेव की जीत की मनौती उतारने के लिए मुंडन कराया। मुंडन की सूचना पाकर पूरा परिवार हतप्रभ रह गया लेकिन किसी की भी हिम्मत उनसे बात करने की नहीं हुई।

रॉयल फैमिली के हैं, नहीं था मालूम

सरगुजा जिपं सदस्य एवं राजमाता के पोते आदितेश्वर शरण सिंहदेव बताते हैं कि बचपन में बुआ (राजपरिवार के सदस्य अपनी दादी को बुआ कहकर संबोधित करते हैं) सुबह एक

आदितेश्वर शरण

साथ नाश्ता करने से लेकर सोने तक साथ रहीं। बचपन में वे हमारे साथ लूडो खेलतीं और क्रास वर्ड भरवातीं। बिना डांटे जीवन का अनुशासन एवं प्रबंधन के तौर तरीके सिखातीं। उनके संचय की सीख से 12 वर्षों तक घर में हमारा बैंक चला। समय के साथ आगे की पढ़ाई करने दिल्ली व अमेरिका गए। पढ़ाई के दौरान शिमला में एक दोस्त ने 'हंड्रेड प्रिंसेस ऑफ इंडिया' नामक पुस्तक में मेरी फोटो दिखाई तो पहली बार मालूम हुआ कि हम रॉयल फैमिली से हैं। बुआ हमेशा चाकलेट खाने के बहाने ढूढ़ती और चाकलेट खाने के बाद अपने विवाह, शिकार, मिनी बिल्ली आदि की स्मृतियां सुनातीं।

उनका अंदाज ही निराला था...

बहुरानी त्रिशाला सिंहदेव (आदितेश्वर सिंहदेव की पत्नी) बताती हैं कि विवाह के पूर्व राजमाता से कई बार मिली। उनसे मिला स्नेह अविस्मरणीय है। उन्होंने कभी किसी बात को

त्रिशाला सिंहदेव

लेकर टीका-टिप्पणी नहीं की। कोई बात कहने का उनका अंदाज बेहद निराला था। वे सहज ढंग से कहतीं ठीक लगे तो यह काम ऐसा होना चाहिए बाकी आप देख लो। वे हमेशा राजपरिवार के रीति-रिवाजों को सिखातीं थीं। विवाह के बाद पहली बार उनके साथ सरगुजा आई। इस दौरान राजपरिवार की परंपरा के अनुसार पैलेस में दशहरा पूजा आयोजित की गई। वे हर पारंपरिक पूजा में साथ रहीं और हर तौर-तरीके को सहजतापूर्वक बताती रहीं। पूजा के बाद पैलेस के एक कमरे में पहली बार मैंने परिवार के सदस्यों के लिए भोजन बनाया। उन्होंने साया बनकर राजपरिवार की सभी परंपराओं को पूरा कराया।

कहतीं थीं, लोगों की भलाई में अपनी जिंदगी लगा दो

आशा कुमारी

सरगुजा राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की पुत्री और कांग्रेस की पंजाब प्रभारी श्रीमती आशा कुमारी ने मां के साथ बिताए पलों और अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें सरगुजा से बेहद लगाव था। अक्सर सरगुजा की ही बातें किया करतीं थीं। चार वर्षों की बीमारी के दौरान जब भी तबियत में सुधार लगता, सरगुजा जाने व खासकर मां महामाया के दर्शन करने की इच्छा जाहिर करतीं थीं। जब भी सरगुजा का कोई व्यक्ति उनसे मिलने जाता तो बेहद खुश होतीं थीं। टीएस बाबा और हम हमेशा राजनैतिक जीवन में व्यस्त रहने के कारण उनके साथ कम ही समय गुजार पाए, परन्तु छोटे बाबा अरुणेश्वर शरण सिंहदेव ने बहुत सेवा की। शायद महामाया मां की श्रद्धा के कारण ही उन्हें ऐसा परिवार मिला। हम टाइमिंग से बंधे हुए थे इसलिए जो समय मिला, उसमें हमने मां की सेवा की। उनके अंतिम क्षण में हम सब अस्पताल में ही थे। कुछ समय पूर्व ही मां से हम सब मिलकर आए थे। अंतिम क्षण में भी अरुणेश्वरशरण सिंहदेव वहां थे। यह इत्तेफाक ही है कि मां के साथ ही पिता के अंतिम क्षणों में भी छोटे बाबा ही साथ थे। हमारे यहां कहा जाता है कि जिनकी आत्मा शुद्ध होती है उन्हें अंतिम समय में कोई तकलीफ नहीं होती और शायद यही वजह है कि पिछले कुछ दिनों से उनके स्वास्थ्य में अनेकों बार उतार चढ़ाव हुए किंतु उन्हें कोई तकलीफ नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब हम सन 1985 में पहली बार विधायक बने तो उस समय से लेकर अब तक राजमाता ने हमें सिर्फ एक ही बात कही कि जब तक लोगों के बीच रहो, उनका काम करना। मां कहतीं थीं कि लोगों की भलाई के लिए अपनी जिंदगी लगा दो। उनका मूलमंत्र था कि जब भी आपके हाथ उठे तो लोगों की भलाई के लिए ही उठे।

कहा था, 10 को जाऊंगी सरगुजा मां के दर्शन करने

मंजूश्री आनंद

छोटी बेटी मंजूश्री आनंद ने राजमाता के साथ बिताए अपने अंतिम क्षणों को याद करते हुए कहा कि मां का ऋण नहीं चुकाया जा सकता है। आप चाहे जो कर लें लेकिन कर्ज नहीं चुका सकते हैं। उनकी तबियत खराब होने के बाद बड़े दादा (टीएस सिंहदेव) ने निर्णय लिया कि सबको सेवा करनी है लेकिन सबसे ज्यादा सेवा छोटे बाबा ने की। उन्होंने कहा कि सबसे छोटी थी तो हंसी- मजाक भी ज्यादा करती थी। ऐसा स्नेह रहा कि खाना मेरे हाथ का पसंद करती थीं। हमेशा बोलतीं थीं कि क्या खाना है। मां का साया उठने के बाद हम निःशब्द हैं। भाग्यशाली हूं कि माता-पिता की सेवा करने का मौका मिला। मां की सरगुजा व भोपाल जाने की आखरी दम तक इच्छा रही। सरगुजा से प्रेम था और मां महामाया को याद किया करतीं थीं। कहती थीं मां महामाया बुला रहीं है। हमने भी उन्हें कहा कि प्लेन से ले चलते हैं लेकिन स्वास्थ्यगत कारणों के कारण सम्भव नहीं हो सका, परन्तु अंतिम समय तक अटूट प्रेम के कारण ही सरगुजा आने का स्मरण रहा। यह संयोग ही रहा कि काका साहब के यहां शादी में जाना चाहती थी। स्वास्थ्य में सुधार होने पर 4 फरवरी को जाना तय हो गया था, परन्तु मगंलवार के कारण नहीं गई। उसके बाद 5 व 6 फरवरी को भी नहीं जा पाई। शायद यह पूवाभास ही था कि उन्होंने कहा था कि अब 10 फरवरी को ही सरगुजा जाउंगी और उसी दिन उन्होंने अंतिम सांसें लीं। मंजूश्री बताती हैं कि यह भी एक संयोग है कि उन्होंने काका साहेब के घर शादी में नीली साड़ी पहनने की इच्छा जाहिर की थी और जब निधन के बाद हम उन्हें लेकर यहां आए तो हर तरफ नीली साड़ी में ही उनकी तस्वीर लगी हुई थी।

हमेशा आगे बढ़ने करतीं थीं प्रेरित

पोती ऐश्वर्या सिंहदेव की आंखें राजमाता का स्मरण कर भर आतीं हैं। वे बतातीं हैं कि पूरा बचपन बुआ के साथ बीता। बचपन में वे कमाना, हिसाब-किताब रखना व बचत करना

ऐश्वर्या सिंहदेव

सिखातीं थी। बचत के लिए प्रेरित करने पहली बार 5 वर्ष की उम्र में मेरे लिए टार्जन व दादा (आदितेश्वर) के लिए पिगी बैग ले आई। जिसमें हम अपनी कमाई रखते और डायरी में हिसाब लिखते। कमाई के लिए रोज टास्क देतीं। कभी हम डॉक्टर बनकर पूरे परिवार की जांच करते तो कभी दूसरा काम मिलता। काम के बदले में हर सदस्य सिक्के देते जो बैग में जमा हो जाते। कमाई के सिक्कों के माध्यम से ही वे गणित के सूत्र बतातीं। उस समय तो सब खेल लगता था लेकिन बुआ के जाने के बाद अब उन सीखों का महत्व समझ में आता है।

परिवार से समाज तक अपनेपन का भाव

राजमाता स्व. श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव के पुत्र व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री टीएस सिंहदेव ने राजमाता से जुड़ी बातों को याद करते हुए कहा कि बचपन से ही मम्मी मेरे लिए निर्णय लेने का आधार थीं। उनमें दृढ़ इच्छा शक्ति थी और सही गलत के आंकलन के आधार पर हर कार्य करने की प्रवृत्ति, क्षमता, स्थिर स्वभाव के साथ ही सब को ममत्व में शामिल करने वाली मुस्कुराहट व हंसी थी। घर में आए हुए व्यक्ति को ऐसा अपनत्व देती थी जिससे वह अपने आप को परिवार का सदस्य की तरह माने। परिवार चाहे वो उनके स्वयं के माता-पिता के पक्ष का हो या फिर ब्याह के बाद संधियान पक्ष का हो घर की पूरी व्यवस्था को देखना उनकी खासियत थी। सार्वजनिक क्षेत्र में सन् 1972 में शामिल होने का निर्णय लिया तो यही सब बातें सामाजिक क्षेत्र में वे अपने गुण व व्यवहार में लातीं थीं। राजमाता को स्वभाव के अनुरूप परिवार व सामाजिक जीवन में खुद के द्वारा की गई पहल व कार्य को कभी जताते नहीं देखा। मेरे लिए यही मम्मी थी और यही परिवार की मुखिया । राजमाता सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र में एक महिला का स्थान दिलाते हुए लोगों के बीच काम करने वालीं आदर्श जनप्रतिनिधि थीं। जीवन के अंतिम दिनों तक पूरे परिवार, रिश्तेदार, संबंधियों व जुड़े हुए लोगों को जोड़कर रखा। वर्ष 1976 में 24 वर्ष की उम्र से माता-पिता की सहमति से सरगुजा में रहने लगा। पिता के समय यह भावना रह गई कि उन्होंने सेवा करने का मौका ही नहीं दिया लेकिन मां के साथ कम से कम कुछ प्रयास सेवा के लिए हम कर सके। वे चार वर्ष तक गंभीर बीमारी से ग्रसित रहीं और उनके मन का भाव था जो स्थिति है उसे मानकर चलती थी। अंतिम समय में छोटे भाई अंतिम क्षणों तक साथ रहे। कई बार उनकी हालत में सुधार हुए और ले जाने की बात हुई लेकिन कहतीं थीं कि बड़े बाबा आएंगे तब घर चलेंगे।

ऐसे संभाली रियासत

महाराजा एमएस सिंहदेव का निधन होने के बाद महारानी देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव ने 24 जून 2001 को राजमाता बनकर रियासत की जिम्मेदारी संभाली। बेहद कठिन परिस्थितयों में भी वे सदैव राजपरिवार के सदस्यों व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करती रहीं।

गलत बातों पर नहीं करती थीं कंप्रोमाइज

छोटे पुत्र अरुणेश्वरशरण सिंहदेव (छोटे बाबा) ने कहा कि राजमाता दूसरों से हटकर थीं और कभी भी गलत बातों को लेकर कम्प्रोमाइज नहीं करतीं थीं। इससे उन्हें राजनैतिक रूप से भले ही नुकसान हुआ परन्तु सामाजिक रूप में हमेशा सम्मान मिला। राजनीति का स्वरुप बदला तो छोड़ दी। उन्होंने अगली पीढ़ी को विरासत सौंप दी, उसके बाद दखलंदाजी नहीं की। लोगों के काम जब तक करा नहीं लेती तब तक हमें बोलती रहती थीं। यह उनकी जैसे जिद थी कि कम सक्षम लोगों का काम हो जाए। अपने अंतिम समय में चार जगहों में सबसे पहले स्थान सरगुजा, फिर हिमाचल, अमरकंटक और अंत में भोपाल था। जबकि भोपाल का घर उन्होंने खुद बनवाया था। सरगुजा से राजमाता को बेहद लगाव था और पूजापाठ में विश्वास करती थीं। काफी अध्ययनशील थीं। राजमाता तीन बार मंत्री रहीं और यही मंशा रही कि सरकार का पैसा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी पसंदीदा लीडर थीं। राजीव गांधी को मॉडर्न इण्डिया का विंडो कहतीं थीं। सोनिया गांधी द्वारा पीएम जैसे बड़े पद का त्याग करने को वे असामान्य मानतीं थीं। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री व परिवार के लिए दादाभाई दिग्विजय सिंह के लिए कहतीं थीं कि ऐसा देने वाला मंत्री नहीं देखा है।

अरुणेश्वरशरण

21- FEB- MAIN- Pg- 8K&C_Layout 1 2/21/2020 11:54 PM Page 1

खबर संक्षेप

एशियाई बाजारों पर भी दिख रहा कोरोना का डर

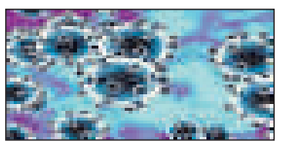

हांगकांग। चीन से बाहर कोरोना वायरस के नए मामले सामने आने के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चिता का माहौल है। इस बीच एशियाई बाजारों में गिरावट रही। इससे पहले वॉल स्ट्रीट पर भी कमजोर रुख देखा गया क्योंकि कंपनियों ने इस महामारी से उनकी आय प्रभावित होने की चेतावनी दी है।

महाशिवरात्रि के मौके पर वित्तीय बाजार बंद रहे

मुंबई। महाशिवरात्रि के मौके पर शेयर बाजार, बांड बाजार और मुद्रा बाजार बंद रहे। बाजार में कारोबारी गतिविधियां कल देखने मिलेगी।

न्यायालय आयुक्त, बिलासपुर संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
नोटिस
अपील प्रकरण क्रमांक 105/अ-6/2018-19
ग्राम सारबहरा (गौरेला)
तहसील पेण्ड्रारोड जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
पेशी तारीख 24.03.2020
छोटेलाल वगै.
/विरूद्ध/
संध्यारानी वगै.

प्रति,
(1) शहीद अहमद आ.मोहम्मद सिद्दीक
(2) इनायतुल्ला मिलक आ. मोहम्मद सिद्दीक
(3) जुवेदा बेगम बेवा मोहम्मद सिद्दीक
(4) मोहम्मद सिद्दीक आ. हाजी शहाबुद्दीन
(5) मोहम्मद शमीम आ. शहाबुद्दीन
(6) मोहम्मद सलीम आ. शहाबुद्दीन
(7) मोहम्मद शरीफ आ. शहाबुद्दीन
(8) मोहम्मद अनीस आ. अब्दुल गफूर
क्रमांक 1 से 8 निवासी ग्राम सारबहरा सभी जाति मुसलमान निवासी गौरेला, तहसील पेण्ड्रारोड, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
(9) अनिल फिलिप उर्फ अनिल कुमार अन्नू आ.जेम्स फिलिस
(10) अनूप फिलिप उर्फ अनूप कुमार आ.जेम्स फिलिस
(11) जज्जु फिलिप उर्फ जार्ज स्टीफन अन्नू आ. जेम्स फिलिस
(12) विद्यावती आ.जेम्स फिलिस, सभी जाति ईसाई
क्रमांक 09 से 12 निवासी नेपियर टाउन जबलपुर (म.प्र.)
(13) डायमंड वैद्य आ. स्व.जोसेफ
(14) डारथी मसीह आ. स्व. जोसेफ
(15) डार्कश सिंह आ. स्व. जोसेफ
क्रमांक 13 से 15 निवासी ग्राम खांगापानी तहसील मनेन्द्रगढ़ जिला-कोरिया (छ.ग.)

अपीलार्थीगण के द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेण्ड्रारोड जिला बिलासपुर के द्वारा अपील प्रकरण क्रमांक 103/अ-6/2012-13 में पारित आदेश दिनांक 25.07.2014 के विरूद्ध इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत किया गया है। उक्त अपील प्रकरण में अपीलार्थीगण के द्वारा आपको उत्तरवादीगण के रूप पक्षकार बनाया गया है। प्रश्नाधीन अपील प्रकरण में आगामी सुनवाई तिथि 24.03.2020 दिन मंगलवार नियत है। अतः आप अथवा आपकी ओर से अधिकृत अधिवक्ता उक्त प्रकरण में नियत आगामी पेशी दिनांक 24.03.2020 को समय 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष समर्थन प्रस्तुत करें। यदि उक्त पेशी तिथि में आप उपस्थित नहीं होंगे, तो आपके विरूद्ध प्रावधानानुसार एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण का सुनवाई उपरांत निराकरण कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 18/02/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा के द्वारा जारी किया गया।

सील
अपर आयुक्त
बिलासपुर संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

होंडा ने बीएस6 शाइन लांच की, अब 5 स्पीड गियरबॉक्स ; 14% ज्यादा माइलेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर्स की पॉपुलर मोटरसाइकिल होंडा सीबी शाइन की बीएस 6 (होंडा सीबी शाइन बीएस-6) वर्जन लांच हो गई है। लेकिन इसके लिए आपको 67,857 रुपए (दिल्ली एक्सशोरूम कीमत) चुकाने होंगे।

- बीएस 6 फ्यूल इंजेक्टेड इंजन के साथ ज्यादा पावर और माइलेज मिलेगा

बीएस 6 वर्जन वाली इस मोटरसाइकिल का इंजन 124.73 सीसी का है। इसका इंजन 7500 आरपीएम पर 10.16 बीएचपी की पावर और 5500 आरपीएम पर 10.3 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। होंडा सीबी शाइन का इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ है।

बीएस 6 वर्जन की इस बाइक की शोरूम कीमत 67,857 रुपए

अब 5 गियर मिलेंगे

होंडा शाइन में पीजीएम-एफ1 टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिसके चलते ये पिछले मॉडल की तुलना में 14 प्रतिशत तक ज्यादा माइलेज देगी। पुराने मॉडल में 4 स्पीड गियरबॉक्स था, जिसे अब 5 स्पीड गियरबॉक्स में बदल दिया गया है। बाइक में 125सीसी का इंजन दिया है, जो होंडा एसपी 125 में आ रहा है।

छह साल की वारंटी

इस मोटरसाइकिल पर कंपनी 6 साल की वारंटी दे रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें 3 साल की स्टैंडर्ड वारंटी और 3 साल की एक्सटेंडेड वारंटी शामिल है। कहा जा रहा है कि नई होंडा शाइन पुराने वर्जन बीएस 4 के मुकाबले 14 प्रतिशत ज्यादा माइलेज देगी।

ज्यादा लंबी ज्यादा स्पेस

मोटरसाइकिल के आकार की बात करें तो इसकी लंबाई 2012एमएम, चौड़ाई 762 एमएम, ऊंचाई 1090एमएम, ग्राउंड क्लियरेंस 157एमएम, वजन 122 किलोग्राम है। इसकी फ्यूल टैंक की क्षमता 10.5 लीटर है। खबरों के मुताबिक, होंडा सीबी शाइन बीएस 6 फ्यूल इंजेक्टेड इंजन के साथ ज्यादा पावर और माइलेज मिलेगा।

चार रंगों में उपलब्ध : मोटरसाइकिल में साइलेंट स्टार्टर, बैटरी चार्ज करने के लिए एसी जेनरेटर मौजूद है। इसमें रीयर व्हील में ट्यूबलेस टायर लगे हैं। नई वर्जन वाली यह मोटरसाइकिल दो वेरिएंट्स- फ्रंट ड्रम ब्रेक और फ्रंट डिस्क ब्रेक में उपलब्ध है। यह मोटरसाइकिल चार रंगों- ब्लैक, गिनी ग्रे मेटैलिक्स रीबेल रेड मेटैलिक और एथलेटिक ब्लू मेटैलिक में लॉन्च किया गया है।

1 अप्रैल से मानक 6 वाली गाड़ियां ही बिकेगी

होंडा मोटरसाइकिल अपने पोर्टफोलियो को तेजी से बीएस 6 वर्जन में अपडेट कर रही है। दरअसल, ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए इस अपडेट करने के लिए आखिरी तारीख 31 मार्च 2020 है। क्योंकि 1 अप्रैल 2020 से देश में सिर्फ बीएस 6 वर्जन वाली गाड़ियां ही बिकेंगी। इसके लिए सभी ऑटो कंपनियां तेजी से इसे अपडेट कर रही हैं और नई वर्जन वाली गाड़ियां लांच कर रही हैं।

बातचीत : भारत पर कई सालों से सख्त रवैया अपनाने का आरोप

ट्रंप ने उठाया भारत के ऊंचे शुल्क का मुद्दा, मोदी से करेंगे बातचीत

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक बार फिर व्यापार में ऊंचे शुल्क का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारत कई साल से अमेरिका के साथ व्यापार में सख्त रवैया अपनाए हुए है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ इस बारे में उनकी बातचीत होगी।

ट्रंप पहले भी कई बार भारत पर व्यापार के मामले में अमेरिका के उत्पादों पर काफी ऊंचे शुल्क लगाने की शिकायत कर चुके हैं। वह भारत को शुल्क लगाने का चैंपियन तक कह चुके हैं। ट्रंप 24-25 फरवरी को पहली भारत यात्रा पर जा रहे हैं। वह अहमदाबाद से अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे।

कई सालों से भारत का व्यवहार हमसे सख्त

कोलोराडो में 'कीप अमेरिका ग्रेट' रैली में उन्होंने कहा, ' मैं अगले सप्ताह भारत जा रहा हूं और हम व्यापार पर बात करने वाले हैं। वह कई साल से हमारे साथ सख्त व्यवहार कर रहे हैं।' ट्रंप ने अपने हजारों समर्थकों के सामने कहा कि वह 'वास्तव में' मोदी को 'पसंद' करते हैं और वे आपस में व्यापार पर बातचीत करेंगे।

खास बातें
- अमेरिकी उत्पादों पर ऊंचे शुल्क लगाने की शिकायत कर चुका
- ट्रंप ने भारत को शुल्क लगाने का चैंपियन कहा
- अमेरिकी राष्ट्रपति बातचीत के लिए भारत 24 फरवरी को पहुंच रहे
- ट्रंप अमेरिका व्यापार में कुछ मुद्दों पर सहमत हुए

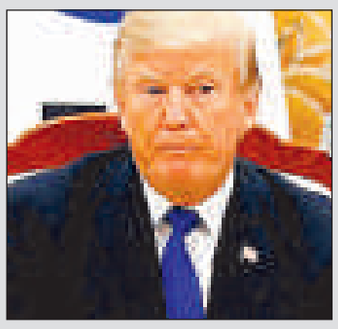

जबर्दस्त व्यापार समझौते की उम्मीद

ट्रंप ने लास वेगास में 'होप फॉर प्रिजनर्स ग्रेजुएशन सेरेमनी' कार्यक्रम की शुरुआत में कहा, 'मैं भारत जा रहा हूं और हम वहां जबर्दस्त व्यापार समझौता कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हो सकता है।

भारत के लिए अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक

कांग्रेशनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की हालिया रपट के अनुसार, भारत के लिए यह व्यापारिक रिश्ता अहम है। 2018 में भारत के लिए अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार रहा। पहले स्थान पर यूरोपीय संघ था। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत और यूरोपीय संघ की 17.8 प्रतिशत रही।

अमेरिकी हितों को आगे रखा जाएगा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम तभी समझौता करेंगे जब यह अच्छा होगा क्योंकि हम अमेरिका के हितों को आगे रख रहे हैं। लोगों को यह पसंद आए या नहीं, लेकिन हम अमेरिका के हितों को वरीयता दे रहे हैं।'

सरकार ने शुरू किया देश में गरीबी सर्वे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में गरीबी का अनुमान लगाने के लिए सरकार ने एक सर्वे शुरू किया है। इसमें पोषण, पीने का पानी, हाउसिंग और कुकिंग फ्यूल जैसी सुविधाओं तक परिवारों की पहुंच का पता लगाया जाएगा। इस सर्वे से देश में गरीबी का स्तर पता लगाने में मदद मिलेगी। कुछ वर्षों पहले सरकार ने गरीबी रेखा का इस्तेमाल करना बंद कर दिया था। गरीबों की संख्या और गरीबी स्तर का पता लगाना सरकार के लिए सामाजिक क्षेत्र की योजनाएं बनाने के लिहाज से जरूरी है। सी रंगराजन समिति ने 2014 की रिपोर्ट में गरीबों की संख्या में 10 करोड़ की बढ़त का अनुमान दिया था। कमेटी ने इसके लिए कन्जम्पशन एक्सपेंडिचर को आधार बनाया था।

CHHATTISGARH ENVIRONMENT CONSERVATION BOARD
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur,Atal Nagar (C.G.)
Email- hocecb@gmail.com

Date: 22/02/2020

Corrigendum for Tender No. 05/HO/CECB/SCI/Air-Sampler/E-Tender/2019-20

With a view to protecting and improving the quality of environment and preventing, controlling and abating environmental pollution and as per notification of MoEF & CC dated 22/08/2019, the instruments like Continuous Air Quality Monitoring System (CAQMS) as well as manual samplers should be certified from the CSIR- NPL Laboratory.
Accordingly, CECB hereby extend the date of submission of Bids for the proposal **"Selection of Bidders for Supply of PM10, PM2.5, Spectrophotometer and Digital Balance in Chhattisgarh"**. So that the bidders can submit the proposals with appropriate certification from CSIR-NPL.

Item	Description
Corrigendum Reference Number	05/HO/CECB/SCI/Air-Sampler/E-Tender/ 2019-20 /Corrig1
Tender Reference Number	05/HO/CECB/SCI/Air-Sampler/E-Tender/ 2019-20
Physical submission of EMD/DD	23/03/2020 at 03:00 PM
Opening Date,& Time for submission of Bids	22/02/2020 at 11.30 AM
Last Date & time for submission of bids	23/03/2020 at 03:00 PM
Date of Technical Bid Opening	23/03/2020 at 04:00 PM

Note: Bidder has to submit the signed copy of the corrigendum with the Technical Bid in envelope B.

S-24602

- पिछले सप्ताह होटल के तहखाने में आग लगी थी

एनडीएमसी ने दी पार्क होटल का किया लाइसेंस बहाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने लुटियंस दिल्ली स्थित दी पार्क होटल के कारोबार लाइसेंस का निलंबन वापस ले लिया। इसके साथ ही होटल का लाइसेंस बहाल हो गया।

होटल के तहखाने में पिछले सप्ताह आग लगने के बाद एनडीएमसी ने उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया था। आग की घटना के बाद इस पांच सितारा होटल के अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र को निलंबित कर दिया गया था। एनडीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र और निवारण आदेश बहाल हो जाने के बाद होटल प्रबंधन से हमें औपचारिक आवेदन प्राप्त हुआ। सभी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए विस्तार से जांच की गयी और निलंबन वापस ले लिया गया।'दी पार्क होटल के बेसमेंट में पिछले शनिवार को आग लग गयी थी। इसमें 11 विदेशी नागरिकों समेत 12 लोग घायल हो गये थे। होटल ने बताया था कि शॉर्ट सर्किट के कारण यह दुर्घटना हुई। होटल प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें नोटिस में जो भी खामियां बताई गई थी उन पर तुरंत कार्यवाही करते हुये सभी का अनुपालन पूरा कर लिया गया है।

- एनएमडीसी ने होटल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था

पड़ताल के बाद होटल को मिली मंजूरी

'अग्निशमन विभाग की ओर से विस्तृत जांच पड़ताल के बाद होटल को मंजूरी प्राप्त हो गई और उसके अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र को बहाल कर दिया गया। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस की ओर से संबंधित आदेश को बहाल कर दिया गया।'

एलटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 सूचकांक में शामिल

बेंगलुरू। प्रौद्योगिकी परामर्श और डिजिटल समाधान कंपनी लार्सन एंड टुब्रो इंफोटेक (एलटीआई) को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने अपने 'निफ्टी नेक्स्ट-50' सूचकांक में शामिल किया है। कंपनी जुलाई 2016 में सूचीबद्ध हुई। पिछले चार साल में कंपनी ने तेजी से वृद्धि दर्ज की है। निफ्टी नेक्स्ट-50 सूचकांक कंप्यूटर आधारित है जिसमें कंपनियों के शेयर की कीमत और बाजार में उपलब्ध शेयरों की संख्या के बीच गुणा करके मुक्त प्रवाह तरीके से कंपनियों का स्तर तय किया जाता है।

संचालनालय चिकित्सा शिक्षा
पुराना नर्सेस हॉस्टल, डी.के.एस. भवन परिसर रायपुर, छत्तीसगढ़
टेलीफोन नं.- 0771-2234451 Email-cgdme@rediffmail.com

क्रमांक/1854/संचिशि/लीगल/2020 रायपुर, दिनांक 19/02/2020

PC&PNDT-ACT-(CBT)-Examination-2019
Theory परीक्षा के परिणाम एवं प्रायोगिक परीक्षा सूचना

PC&PANT ACT (CBI) Examination, 2019 के अन्तर्गत आयोजित थ्योरी परीक्षा दिनांक 09.02.2020 के परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुके हैं जो कि संचालनालय चिकित्सा शिक्षा की अधिकारिक वेबसाइट www.cgdme.in में उपलब्ध है साथ ही कार्यालय, संचालनालय चिकित्सा शिक्षा के नोटिस बोर्ड में भी उपलब्ध है। Theory परीक्षा में क्वालीफाइड कैंडीडेट्स (50 अंक एवं उससे अधिक प्राप्तांक वालों) की प्रेक्टिकल परीक्षाओं का आयोजन 24 एंव 25 फरवरी 2020 को किया जा रहा है। समय सारिणी निम्नानुसार है:-

दिनांक	24 फरवरी 2020 को वरीयता क्र. 01 से 22 तक
	25 फरवरी 2020 को वरीयता क्र. 23 से 43 तक
स्थान	रेडियो डायग्नोसिस विभाग, डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर छ.ग.
समय	सुबह 08:30 बजे से

Theory परीक्षा में सफल अभ्यार्थी वेबसाइट का अवलोकन कर निर्धारित स्थान व समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें।

संचालक चिकित्सा शिक्षा
छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला-जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcuremant Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 61116 निविदा सूचना क्र. 24/ व.ले.लि./ई-प्रोक्युरमेंट/2019-20,दि. 20-02-2020
निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 07.03.2020 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है
कार्य का नाम - अकलतरा शाखा नहर के आर.डी. 26400 मी. से 42000 मी. के मध्य सी.सी. लाईनिंग-एवं मरम्मत कार्य।
अनुमानित लागत - रू. 9757467.00
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27.02.2020 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।
नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग,जांजगीर
जिला-जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)
जी.- 77154/2

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की उत्तरवर्ती कंपनी)
CIN-U40108CT2003SGC015822
कार्यालयः कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग, पश्चिम, बिलासपुर
पताः नेहरू नगर, बिलासपुर (छ.ग.)-495001
वेबसाईटः www.cspdcl.co.in टेलीफोन नं. 07752-427091

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्न 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र में आवश्यक निर्माण/ सुधार कार्य हेतु तालिका में दर्शाए गये क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, आवश्यकतानुसार समयावधि घटाया/ बढ़ाया जा सकता है।

क्र.	समय	दिनांक/दिन	फीडर	उपकेंद्र	प्रभावित क्षेत्र
1	सुबह 11.00 से 03.00 बजे	23.02.2020 रविवार	11 के.व्ही. सिविल लाईन फीडर	33/11 के.व्ही. बृहस्पति बाजार उपकेंद्र	ईदगाह चौक, पुलिस लाईन ईमलीपारा, अग्रसेन चौक, मसानगंज एवं आसपास का क्षेत्र।
2			11 के.व्ही. कुदुदण्ड फीडर		मिशन स्कूल छ.ग. भवन, मिलन चौक, कुदुदण्ड माता चौरा, कोल सर्वे एवं आसपास का क्षेत्र
3			11 के.व्ही. गोड़पारा फीडर		चांटापारा गोड़पारा, सिम्स हॉस्पिटल रोड, वाल्मिकी चौक, शनिचरी बाजार, अशोक राव गली, प्रताप चौक, तिलक नगर एवं आसपास का क्षेत्र
4			11 के.व्ही. सदर बाजार फीडर		करूणा चौक, उदल चौक, गोलबाजार, मिशन हॉस्पिटल, मध्यनगरी चौक, डॉ. आभा वर्मा, एवं आसपास का क्षेत्र
5			11 के.व्ही. छत्तीसगढ़ भवन फीडर		तिलक नगर, छत्तीसगढ़ भवन एवं आसपास का क्षेत्र।
6			11 के.व्ही. ऑडीटोरियम		ऑडीटोरियम
7	सुबह 11.00 से 03.00 बजे	23.02.2020 रविवार	11 के.व्ही. टेलीफोन एक्सचेंज फीडर	33/11 के.व्ही. इंदू चौक उपकेन्द्र	मगरपारा मेनरोड, इंदू चौक, शीला टॉवर टोनल टावर, अग्रसेन चौक, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, जय पाल टॉवर एच.टी. कनेक्शन (एल.आई.सी ऑफिस, सिल्वर ओक, टेलीफोन ऑफिस जे.बी.इन. होटल हैवल्स पार्क) एवं आसपास का क्षेत्र।
8			11 के.व्ही. जेल रोड फीडर		सेंट्रल जेल, फूल चौक, जी.डी.सी. कॉलेज बर्जेस स्कूल, शीतला माता मंदिर से फूल चौक के बीच का क्षेत्र।
9			11 के.व्ही. नेहरू चौक फीडर		मंदिर चौक तिवारी चॉल, मढ़रिया गली, कलेक्ट्रेट, एस.पी. ऑफिस एवं आसपास का क्षेत्र।

विद्युत संबंधित शिकायत केंद्रीकृत कॉल सेंटर के फोन नं. 1912 पर दर्ज करावें।
विद्युत देयक का भुगतान नियमित करें। असुविधा के लिये खेद है।
संवाद-24616

अमर चौधरी
कार्यपालन अभियंता (नगर संभाग-दो)
छ.रा.पॉ.डि.कं. लिमि. बिलासपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, बिलासपुर (छ.ग.)

ज्ञाप क्र. 1077/NIT-8/2019-2020/SAC दिनांक: 20.02.2020
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि: 27.02.2020 अपरान्ह 5.30 बजे
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि 05.03.2020 अपरान्ह 5.30 बजे
निविदा खोलने की तिथि 06.03.2020 अपरान्ह 11.30 बजे
प्रत्येक निविदा प्रपत्र की क्रय राशि रू. 750/-
निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी द से अ तक
कार्य की अवधि- एन.आई.टी. नं. T0051 04 माह एवं T0052, T0053, T0054 03 माह वर्षा ऋतु सहित

एन.आई.टी.क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No. Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानती राशि (रू. में.) बैंक सालवेंसी (रू. में)
1	2	3
8 T0051	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के पुराने भवन के कुटुम्ब न्यायालय की आवश्यकता के अनुरूप प्रवर्तित करने (नवीनी.) प्रथम आमंत्रण	18.50 13875.00 277500.00
8 T0052	राज्य मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय सेंदरी बिलासपुर में 02 नग सेप्टिक टैंक एवं 01 नग सोक टैंक एवं 01 प्रथम आमंत्रण	5.20 3900.00 78000.00
8 T0053	शासकीय कार्यालय कलेक्टोरेट भवन एवं पुराना कम्पोजिट कार्यालय भवन बिलासपुर में लिफ्ट वेल निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण	10.30 7725.00 154500.00
8 T0054	सिलदहा तहसील कोटा में पटवारी कार्यालय सह आवास भवन का शेष कार्य। प्रथम आमंत्रण	4.62 3465.00 69300.00

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
जी-77169/1 लो.नि.वि., संभाग क्र.-1, बिलासपुर (छ.ग.)

21- FEB- MAIN- Pg- 9 K&C_Layout 1 2/21/2020 11:55 PM Page 1

खबर संक्षेप

मनिका ने 26वें नंबर की खिलाड़ी को हराया

बुडापेस्ट। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका बत्रा ने 2020 आईटीटीएफ विश्व टूर हंगरी ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट में दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी चेन जू यू को हराया। भारत के नंबर एक खिलाड़ी ज्ञानशेखरन साथियान ने भी दुनिया के 61वें नंबर के खिलाड़ी ईरान के नौशाद अलामियां को 4-0 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 67वें स्थान पर काबिज मनिका ने 4-3 से जीत दर्ज की। मनिका और शरत कमल को मिश्रित युगल सेमीफाइनल में वाकओवर मिला। अब वे जर्मनी के पैट्रिक फ्रांजिस्का और पैट्रिसा सोल्जा से खेलेंगे।

हार के बावजूद गुजराती की बढ़त बरकरार

प्राग। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को प्राग शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के आठवें दौर में चेक गणराज्य के डेविड नवारा ने

हराया लेकिन इस हार के बावजूद वह शीर्ष पर बने हुए हैं । गुजराती के पांच अंक है और वह रूस के निकिता वी, डेविड एंटोन गुज्जारो और दुनिया के शीर्ष जूनियर खिलाड़ी अलीरजा फिरोजा से आगे हैं। इन सभी के 4.5 अंक हैं। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी गुजराती को 64 चालों के बाद पराजय झेलनी पड़ी। अब आखिरी दौर में उनका सामना पोलैंड के जान क्रिजीस्टोफ डुडा से होगा।

त्वेसा, अदिति और दीक्षा ने कट में प्रवेश किया

बोनविले। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने खराब शुरुआत से उबरते हुए शुक्रवार को यहां ज्योफ किंग मोटर्स आस्ट्रेलियन लेडीज क्लासिक टूर्नामेंट के दूसरे दौर में चार अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर चल रही हैं। अदिति अशोक ने दूसरे दौर में 75 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 42वें स्थान पर हैं। पहले दिन संयुक्त 57वें स्थान पर चल रही दीक्षा डागर ने इवन पार 72 का कार्ड बनाया जिससे वह संयुक्त 50 के बेहतर स्थान पर पहुंच गयीं और कट में जगह बनाने में सफल रहीं जो दो ओवर का रहा।

कोहली का विकेट बहुत बड़ा : जैमीसन

वेलिंगटन। टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले दिन में विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा के विकेट लेना काइल जैमीसन के लिए किसी सपने से कम नहीं था और उनका मानना है कि पिछले कुछ सप्ताह उनके लिए किसी 'ख्वाब' की तरह ही रहे हैं। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले जैमीसन ने तीन विकेट चटकाए। छह फुट आठ इंच लंबे इस गेंदबाज ने कहा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा। पिछले कुछ सप्ताह सपने जैसे रहे हैं। मैं अपने और टीम के लिए बहुत खुश हूं।

शीतकालीन खेलों में दिलचस्पी दिखाए खेल मंत्रालय

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) महासचिव राजीव मेहता ने शुक्रवार को यहां कहा कि शीतकालीन ओलंपिक खेल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और खेल मंत्रालय को इन खेलों में अधिक दिलचस्पी दिखाने की जरूरत है।
मेहता ने आईस्केट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आइस हाकी चैंपियनशिप के अवसर पर कहा, 'शीतकालीन ओलंपिक खेलों का दुनियाभर में महत्वपूर्ण स्थान है और हम खिलाड़ियों को बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

यादव 19 रन देकर चार और पांडे ने 14 रन पर झटके तीन विकेट

टी20 विश्व कप: पूनम-शिखा की जादुई गेंदबाजी, भारत की गत चैंपियन आस्ट्रेलिया पर 17 रन की रोमांचक जीत

एजेंसी ▶▶| सिडनी

पूनम यादव (19 रन देकर चार विकेट) और शिखा पांडे (14 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को यहां कम स्कोर वाले मैच में गत चैंपियन और मेजबान आस्ट्रेलिया को 17 रन से शिकस्त देकर महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद भारतीय टीम शानदार शुरुआत के बावजूद चार विकेट पर 132 रन का स्कोर ही बना सकी थी।

खास बातें
- टीम इंडिया ने बनाए थे 132 रन, आस्ट्रेलियाई टीम 115 पर ढेर
- भारत का दूसरा मुकाबला 24 फरवरी को बांग्लादेश से होगा

लेग स्पिनर पूनम यादव और मध्यम गति की गेंदबाज शिखा पांडे ने भारतीय टीम को बेहतरीन वापसी दिलायी और आस्ट्रेलिया को 19.5 ओवर में 115 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय गेंदबाजों के दबदबे का इतना असर था कि मेजबान टीम के लिए केवल दो खिलाड़ी ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं। सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली ने 35 गेंदों पर छह चौके और एक छक्के से 51 रन की पारी खेली जबकि एशले गार्डनर ने 36 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के से 34 रन बनाए।

पूनम-शिखा के विकेट

पूनम यादव ने अपनी फिरकी का जादू बिखरते हुए हीली के अलावा राशेल हायनेस (06), एलिसा पेरी (शून्य) और जेस जोनासेन (02) के विकेट निकाले। वहीं शिखा पांडे ने बेथ मूनी, एशले गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड को आउट किया। राजेश्वरी गायकवाड़ को भी एक विकेट मिला। भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने अंत में दो खिलाड़ियों को रन आउट किया और आस्ट्रेलियाई पारी को समाप्त किया।

भारत अब तक नहीं बना विजेता

अब तक 6 बार टी-20 वर्ल्ड कप हो चुके हैं। भारत एक बार भी फाइनल में नहीं पहुंचा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीत चुका है। वह मौजूदा चैंपियन भी है। पिछली बार उसने फाइनल में इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया था। भारत 3 बार (2009, 2010, 2018) में सेमीफाइनल में पहुंचा है। पिछली बार उसे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों हार मिली थी।

हरमनप्रीत ने तोड़ा मिताली का रिकार्ड

हरमनप्रीत कौर अब भारत की पहली ऐसी महिला खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने अपने देश के लिए सबसे ज्यादा महिला टी 20 विश्व कप खेला है। ये उनका सातवां टी 20 विश्व कप टूर्नामेंट है। उन्होंने मिताली राज को पीछे छोड़ दिया। मिताली ने अब तक भारत के लिए कुल 6 महिला टी 20 विश्व कप खेला था। हरमनप्रीत से पहले वो भी भारत के लिए सबसे ज्यादा टी 20 विश्व कप खेलने वाली खिलाड़ी थीं। अब ये नया रिकॉर्ड हरमनप्रीत के नाम पर हो गया है।

दीप्ति 49 रन पर नाबाद

16 वर्षीय शेफाली वर्मा ने भारत को चार ओवर तक बिना विकेट गंवाए 41 रन तक पहुंचा दिया था। उन्होंने 15 गेंद में 29 रन की पारी खेली जिसमें पांच चौके और एक छक्का जड़ा था। लेकिन उनके आउट होने के बाद पारी की लय बिगड़ गई और अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया। दीप्ति शर्मा ने 46 गेंद में नाबाद 49 रन की संयमित पारी खेली लेकिन अंत में भारत को जिस आक्रामकता की जरूरत थी, उसकी कमी दिखाई दी।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
शेफाली का सदरलैंड बो पेरी	29	15	5	1
मंधाना पगबाधा बो जोनासेन	10	11	2	0
रोड्रिग्स पगबाधा बो किमिन्स	26	33	0	0
हरमनप्रीत स्ट हीली बो जोनासेन	02	05	0	0
दीप्ति शर्मा नाबाद	49	46	3	0
वेदा कृष्णमूर्ति नाबाद	09	11	0	0
अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 132/4				
गेंदबाजी : मौली स्ट्रानो 2-0-15-0, एलिसे पेरी 3-0-15-1, मेगान स्कट 4-0-35-0, जोनासेन 4-0-24-2, किमिन्स 4-0-24-1, एशले गार्डनर 3-0-19-0.				
आस्ट्रेलिया	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
हीली का एवं बो पूनम	51	35	6	1
मूनी का गायकवाड़ बो पांडे	06	12	0	0
लैनिंग का भाटिया बो पूनम	05	08	0	0
हायनेस स्ट भाटिया बो पूनम	06	08	0	0
गार्डनर का एवं बो पांडे	34	36	3	1
एलिसे पेरी बो पूनम यादव	00	01	0	0
जोनासन का भाटिया बो पूनम	02	06	0	0
सदरलैंड स्ट भाटिया बो पांडे	02	05	0	0
डेलिसा किमिन्स रन आउट	04	05	0	0
मोली स्ट्रानो रन आउट	02	03	0	0
मेगान स्कट नाबाद	01	01	0	0
अतिरिक्त : 02, कुल : 19.5 ओवर में 115/10				
गेंदबाजी : दीप्ति शर्मा 4-0-17-0, गायकवाड़ 4-0-31-1, शिखा पांडे 3.5-0-14-3, अरुंधति रेड्डी 4-0-33-0, पूनम यादव 4-0-19-4.				

जापानी पहलवान मुकेदा से हारीं विनेश, साक्षी स्वर्ण के दौड़ में

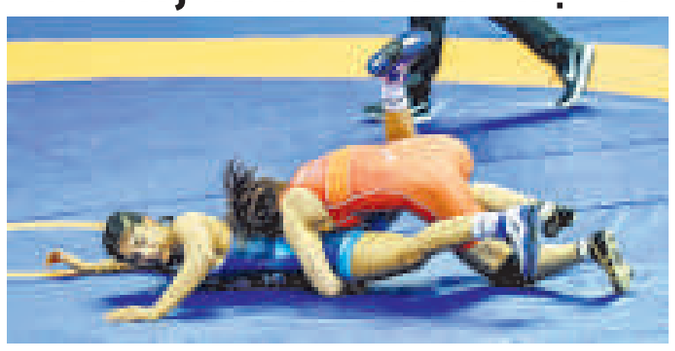

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विनेश फोगाट को फिर से जापानी पहलवान मायू मुकेदा से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे वह स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर हो गईं जबकि साक्षी मलिक शुक्रवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में सेमीफाइनल जीतकर खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं।

विनेश को 2019 में मुकेदा से दो बार विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप में हार का सामना करना पड़ा था। यहां भी यही सिलसिला जारी रहा और यह भारतीय फिर से जापानी खिलाड़ी के मजबूत डिफेंस को तोड़ने में जूझती रही। शुरुआती पीरियड में विनेश ने कई बार पैर से आक्रमण करने की कोशिश की लेकिन हर बार मुकेदा ने उनके प्रयास विफल किए और घरेलू प्रबल दावेदार पहलवान पर दबदबा बनाकर जीत हासिल की। पिछली दो भिड़ंत में विनेश 2019 की विश्व रजत पदकधारी के खिलाफ एक भी अंक नहीं जुटा सकी थीं, हालांकि इस बार वह उन्हें गिराकर अंक हासिल करने में सफल रहीं लेकिन 2-6 से हार गईं। अब विनेश कांस्य पदक के लिए वियतनाम की थि ली कियू के सामने होंगी।

- 2019 में भी दो बार जापानी खिलाड़ी से हारी विनेश

साक्षी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में

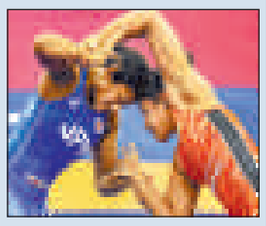

रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक शुरुआती दौर में जापान की नाओमी रूइके से 1-2 से हार गई थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए दो कमजोर प्रतिद्वंद्वियों को पस्त किया और गैर ओलंपिक 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने कोरिया की ओहयंग हा पर तकनीकी दक्षता से जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान की नाबीरा इसेनबाएवा के खिलाफ सेमीफाइनल में वह 5-0 से आगे चल रही थीं लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने लगातार दो अंक हासिल कर स्कोर 5-4 कर दिया। लेकिन वह इस मामूली बढ़त को अंत तक कायम रखकर जीत हासिल करने में कामयाब हुईं।

सेमीफाइनल में पहुंचे कपूरथला और मध्य प्रदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

संघर्षपूर्ण रोमांचक मुकाबले में आरसीएफ कपूरथला ने यूनियन बैंक आफ मुंबई को एक मात्र गोल से पराजित करते हुए 78वीं महंत राजा सर्वेश्वरदास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली। अब तक के सबसे तेज गति से खेले गए दूसरे कवार्टर फायइल मैच में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी भोपाल ने सेंट्रल रेल्वे मुंबई को दिलचस्प मैच मे 4-3 से हराकर अंतिम चार में पहुंची। प्रतियोगिता के दौरान प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक राजनांदगांव डॉ रमन सिंह ने मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। टूर्नामेंट के छठे दिन खेले गए पहले क्वार्टर फाइनल मैच में देश की ख्यातिनाम टीम रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला ने संघर्षपूर्ण व रोमांचक मुकाबले में यूनियन बैंक आफ मुंबई को एक मात्र गोल से पराजित किया।

एक समान हॉकी खेलने वाली दोनों ही टीमें एक दूसरे पर मैच प्रारंभ से ही बढ़त बनाने के लिए हमला करती रहीं मगर मैच की एक मात्र सफलता कपूरथला को खेल के दूसरे क्वार्टर के 16 वें मिनट में प्रदीप सिंह ने शानदार मैदानी गोल करते हुए अपनी टीम को 1-0 गोल से आगे कर दिया था। अंत तक यही निर्णायक स्कोर रहा।

मैच देखने पहुंचे पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक राजनांदगांव डॉ रमन सिंह, महापौर हेमा देशमुख, पूर्व मंत्री लीलाराम भोजवानी, पूर्व महापौर मधूसुदन यादव एवं पूर्व महापौर श्रीमती शोभा सोनी ने मैदान पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर बधाई व शुभकामनाएं दी।

सैनिक दागे शानदार तीन गोल

दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहली सफलता मुंबई को 15वें मिनट में दीपक लकड़ा के गोल से मिली। लेकिन मध्य प्रदेश के युवा खिलाड़ियों ने 22वें मिनट में हिमांशु सैनिक के गोल से बराबरी की। खेल के 34वें मिनट में अली अहमद ने मैदानी गोल कर मध्य प्रदेश को 2-1 से आगे कर दिया था लेकिन 37वें मिनट में ही मुंबई को पेनाल्टी कार्नर मिला जिसे निजाम मोहम्मद ने गोल में तब्दील कर मैच 2-2 की बराबरी पर ला दिया। मैच के 49वें मिनट में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियो ने अच्छे ताल-मेल के साथ मुंबई की डी पर हमला बोला और उसके हिंमाशु सैनिक ने गोल कर 3-2 गोल की बढ़त बना ली। इसके 3 मिनट बाद ही 52वें मिनट में मुंबई को पेनाल्टी कार्नर मिला जिस पर जोगिंदर सिंह ने गोल कर मैच एक बार फिर 3-3 गोल की बराबरी पर ला दिया। सैनिक ने अपनी टीम के लिए गोल कर मध्य प्रदेश को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

पहले दिन नाकाम रहे भारतीय बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबात बेसिन रिजर्व की तेज उछालभरी पिच पर टिक नहीं सके और पहले टेस्ट के शुरुआती दिन न्यूजीलैंड ने काइल जैमीसन की शानदार गेंदबाजी की मदद से भारत के पांच विकेट 122 रन पर उखाड़ दिए। भारी बारिश के कारण चाय के बाद का खेल नहीं हो सका। भारत के लिये अजिंक्य रहाणे 122 गेंद में 38 रन बनाकर खेल रहे थे।

भारत 122/5 रन

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
पृथ्वी शॉ बो साउदी	16	18	2	0
मयंक का जैमीसन बो बोल्ट	34	84	5	0
पुजारा का वाटलिंग बो जैमीसन	11	42	1	0
कोहली का टेलर बो जैमीसन	02	07	0	0
अजिंक्य रहाणे नाबाद	38	122	4	0
विहारी का वाटलिंग बो जैमीसन	07	20	1	0
ऋषभ पंत नाबाद	10	37	1	0
अतिरिक्त : 04, कुल : 55 ओवर में 122/5				
गेंदबाजी : साउदी 14-4-27-1, बोल्ट 14-2-44-1, वाडहोमे 11-5-12-0, जैमीसन 14-2-38-3, पटेल 2-2-0-0.				

टेलर तीनों प्रारूपों में 100वां मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर

न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए मैदान पर कदम रखते ही क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया जो तीनों प्रारूपों में सौ मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। बेसिन रिजर्व में चल रहा पहला टेस्ट उनके करियर का 100वां टेस्ट है। टेलर ने पिछले महीने भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में अपना 100वां टी20 मैच खेला। वह 231 वनडे मैच खेल चुके हैं।

2013 में तेंदुलकर के विदाई टेस्ट में आखिरी बार खेला था मैच

प्रज्ञान ओझा का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से तुरंत प्रभाव से संन्यास ले लिया।

ओझा ने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई में सचिन तेंदुलकर के विदाई टेस्ट में आखिरी बार भारत के लिए खेला था। उन्होंने 2009 से 2013 के बीच 24 टेस्ट में 113 विकेट लिए हैं। ओझा ने ट्वीट किया, 'मैं अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से तुरंत प्रभाव से संन्यास ले रहा हूं।' ओझा ने अपने फैसले का कारण नहीं बताया। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए इस स्तर पर खेलना हमेशा से मेरा सपना था। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि कितना खुशकिस्मत हूं कि मेरा सपना पूरा हुआ। मुझे देशवासियों का इतना प्यार और सम्मान मिला।' उन्होंने तेंदुलकर से टेस्ट कैप लेने को अपने कैरियर का सबसे यादगार पल बताया। उन्होंने कहा, 'यह सौ टेस्ट विकेट लेने के बराबर था। मुझे उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट को ऊंचाइयों तक लेने जाने में हरसंभव योगदान देता रहूंगा।'

बीसीसीआई का जताया आभार

अपने करियर के शुरुआती चरण में ओझा ने टेस्ट में आर अश्विन के साथ कामयाब स्पिन जोड़ी बनाई। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 की घरेलू श्रृंखला में 20 और न्यूजीलैंड के खिलाफ 13 विकेट लिए। ओझा ने कहा, 'मैं बीसीसीआई का ऋणी हूं जिसने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह असाधारण मौका दिया। इंडियन प्रीमियर लीग में मेरा सफर यादगार रहा और परपल कैप जीतना मेरे लिए कभी न भूलने वाली स्मृति रहेगी। डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस टीमों का खास तौर पर शुक्रिया।' 'मैं वीवीएस लक्ष्मण का भी शुक्रगुजार हूं जिन्होंने बड़े भाई की तरह मुझे मार्गदर्शन दिया। वेंकटपति राजू मेरे रोलमॉडल रह, हरभजन सिंह लगातार सलाह देते रहे और एम एस धोनी ने मुझे भारत के लिए खेलने का मौका दिया।'

मेजबान नेरोका ने गोकुलम एफसी को 3-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| इम्फाल

मेजबान नेरोका एफसी ने शुक्रवार को यहां हीरो आई लीग फुटबाल टूर्नामेंट में गोकुलम केरला एफसी पर 3-2 से जीत हासिल की जिससे वह रेलीगेशन के खतरे से बाहर हो गया। प्रीतम सिंह ने नेरोका एफसी के लिए दूसरे मिनट में गोल कर शुरुआत की।

इसके बाद शिबिल मुहम्मद ने 25वें मिनट में गोल दागकर गोकुलम को बराबरी पर ला दिया। मेहमानों ने नटानियल गार्सिया के 40वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल की। लेकिन दूसरे हाफ के शुरू होते ही नेरोका एफसी ने 48वें मिनट में फिलिप एडजाह के गोल से स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। नेरोका एफसी ने फिर नियमित समय से नौ मिनट पहले रोनाल्ड सिंह के गोल से जीत हासिल की।

21- FEB- MAIN- Pg- 10 K&C_Layout 1 2/22/2020 12:16 AM Page 1

खबर संक्षेप

वाहन की टक्कर से वृद्ध की गई जान

अम्बिकापुर। बुधवार की रात प्रतापपुर नाका के समीप अज्ञात वाहन ने वृद्ध को टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए वृद्ध की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शिनाख्त नहीं होने पर शव को मरच्यूरी कक्ष में रखवा दिया है। बीती रात गश्त कर रहे डायल 112 टीम को सूचना मिली कि प्रतापपुर नाका के समीप सड़क किनारे अधेड ग्रामीण अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर हालत में पड़ा हुआ है। पुलिस कर्मी ने तत्काल घटना स्थल पहुंच घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया जहां बीती रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

उधार की रकम मांगी तो युवक से मारपीट

अम्बिकापुर। उधार का रूपए मांगने से नाराज हुए दोस्त ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक की जमकर पिटाई कर दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। नमनाकला पावर हाउस समीप निवासी शुभम गुप्ता एक वर्ष पूर्व साथ पिढाई करने वाले दोस्त को उधार में पांच हजार रूपए दिया था। गत दिन शुभम उधार का रूपए दोस्त उज्जवल उपाध्याय से मांगा तो दोस्त ने उसे नमनाकला स्थित सियान सदन के समीप बुलाया। शुभम अपने दोस्त विशु साहू के साथ रूपए लेने सियान सदन के समीप गया और जब उज्जवल से रूपए मांगा तो उज्जवल व उसके दोस्त ओम प्रकाश नायक, आकाश खलखो ने गाली गलौज करते हुए जमकर पिटाइ कर दी।

नई कार से 41 किलो गांजा जब्त

रामानुजनगर। गांजा तस्करी की सूचना पर जब पुलिस ने नई लक्जरी कार रोका तो पीछे नव निर्वाचित जनपद सदस्य को बैठे देख उसके हाथ-पांव फूलने लगे। नवनिर्वाचित जनपद अध्यक्ष के लिखित अनुमति पर जब कार की तलाशी की गई तो डिक्की में गाजा से भरे प्लास्टिक थैलों को देखकर पुलिस की आंखे फटी रह गई। कार की डिक्की से 47 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस को गुरूवार की सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक उड़ीसा से गांजा की बड़ी खेप लेकर रामानुजनगर जा रहे हैं।

ढाबे में लूटपाट आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। ढाबा के गल्ले में रखे 13 हजार रुपए को लूट पाट व मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है और न्यायिक रिमाण्ड में जिला जेल जांजगीर भेजा गया है। जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। जिसकी पतासाजी की जा रही है। मामला नैला चौकी अंतर्गत आने वाले ग्राम सरखों का है। मामला गुरूवार 20 फरवरी की रात्रि 11 बजे की है।

छात्र नहीं मिलने से परेशान इंजीनियरिंग महाविद्यालयों ने लिया निर्णय

बंद हो सकते हैं 10 इंजीनियरिंग महाविद्यालय, 3 ने मांगी अनुमति, 7 ने संबद्धता के लिए आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अब रह जाएंगे सिर्फ 28 कॉलेज, पिछले साल भरी थी सिर्फ 31 प्रतिशत

प्रदेश के 10 इंजीनियरिंग महाविद्यालय नए सत्र से बंद हो सकते हैं। इंजीनियरिंग छात्रों की कमी से जूझते इंजीनियरिंग महाविद्यालयों ने यह फैसला लिया है। बीते सत्र में सिर्फ 4,953 छात्रों ने ही प्रवेश लिया था। इंजीनियरिंग की लगभग 70 फीसदी सीटें खाली रह गई थीं।

कई चरणों में हुई काउंसिलिंग के बाद भी कई महाविद्यालयों में छात्र संख्या दहाई तक भी नहीं पहुंच पाई थी। तीन महाविद्यालयों ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 से अपने संस्थान को बंद करने की अनुमति मांगी है, वहीं सात महाविद्यालयों ने संबद्धता के लिए आवेदन नहीं दिया है। जिन महाविद्यालयों ने संबंद्धता के लिए आवेदन नहीं दिया है, उन्हें स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि ने नोटिस जारी किया है। यदि तय वक्त तक ये महाविद्यालय संबद्धता के लिए आवेदन नहीं देते, तो इन्हें भी बंद कर दिया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, ये महाविद्यालय अपने यहां इंजीनियरिंग कोर्स संचालन के इच्छुक नहीं हैं। इनके द्वारा संबद्धता के लिए आवेदन नहीं किए जाने की योजना है। इसके बाद इन महाविद्यालयों का इनटेक शून्य कर दिया जाएगा तथा यहां छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

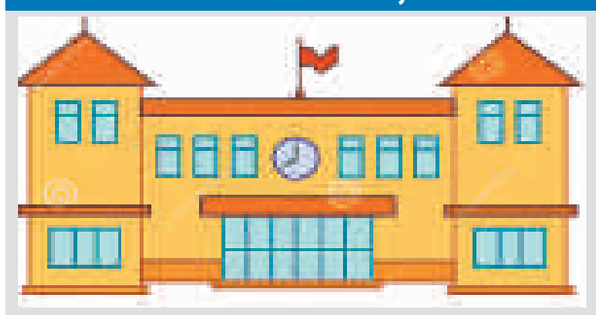

आवेदन प्राप्त हुए हैं

इस वर्ष भी इंजीनियरिंग महाविद्यालय बंद करने आवेदन प्राप्त हुए हैं। पिछले कई वर्षो से यह स्थिति बनी हुई है।
- **प्रो.एमके वर्मा,** कुलपति सीएसवीटीयू

दूसरे महाविद्यालयों में शिफ्ट होंगे छात्र

जो महाविद्यालय बंद होने जा रहे हैं, वहां के छात्रों को दूसरे महाविद्यालयों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए छात्रों की काउंसिलिंग होगी। छात्र जिन महाविद्यालयों का चयन करेंगे, सीट खाली होने की स्थिति में उन्हें वहां प्रवेश दे दिया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंद होने वाले महाविद्यालय में एक रायपुर तथा दो अन्य जिलों के हैं। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कुल 38 इंजीनियरिंग महाविद्यालय हैं। इनमें 35 निजी तथा 3 शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय हैं। दस महाविद्यालयों के बंद होने के बाद इनकी संख्या घटकर 28 रह जाएगी। निजी महाविद्यालयों के इतर प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश की स्थिति 100 फीसदी है।

कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी की जांच कंपलीट

लोहा कारोबारियों ने दो साल में डेढ़ सौ करोड़ की बोगस एंट्री का किया खेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दुर्ग, भिलाई तथा रायपुर के 21 लोहा कारोबारियों तथा कमीशन एजेंट के ठिकानों पर आईटी छापे तथा सर्वे की कार्रवाई तीसरे दिन शुक्रवार को पूरी कर ली गई। छापे में आईटी टीम ने कारोबारियों के ठिकानों से 1.6 करोड़ रुपए की ज्वेलरी, 36 लाख रुपए कैश जब्त किया है। साथ ही लॉकरों की जांच होना बाकी है।

1.6 करोड़ की ज्वेलरी, 35 लाख रुपए जब्त, 1.26 करोड़ रुपए हुंडी के कागजात मिले

कुछ लॉकरों की जांच की गई है, लेकिन आईटी की टीम को उन लॉकरों से कुछ हासिल नहीं हुआ। कारोबारी और कमीशन एजेंट के ठिकानों से जब्त दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि जिन कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी की टीम ने रेड की कार्रवाई की है, उनके खिलाफ टैक्स चोरी करने की जानकारी आईआटी की टीम को लगातार मिल रही थी। साथ ही कारोबारियों द्वारा जमा कराए गए आई रिटर्न में गड़बड़ी मिली। इसके बाद आईटी की टीम ने इन कारोबारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक इन कारोबारियों से आईटी के अधिकारियों ने पूर्व में नोटिस देकर जवाब-तलब भी किया था। इसके बावजूद ये कारोबारी आईटी के नोटिस का सही ढंग से जवाब नहीं दे पाए, जिसकी वजह से इन कारोबारियों के ठिकानों पर छापे तथा सर्वे की कार्रवाई की गई।

ब्याज के धंधे में लिप्त थे कारोबारी

सूत्रों के मुताबिक लोहा कारोबारी और कमीशन एजेंट ब्याज के धंधे में भी लिप्त थे। कार्रवाई के दौरान आईटी अफसरों को इन कारोबारी और कमीशन एजेंट के ठिकानों से 1.26 करोड़ रुपए हुंडी के दस्तावेज हाथ लगने की बात सूत्र बता रहे हैं। यह पता नहीं चल पाया है कि कारोबारी ब्याज का धंधा लोहा कारोबार के क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ करते थे या फिर अन्य क्षेत्र से जुड़े व्यवसायी से करते थे। सूत्रों के अनुसार लोहा कारोबारी टैक्स से बचाई रकम को ब्याज के धंधे में निवेश करते थे।

निचले स्तर से छापे की कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार जिन लोहा कारोबारियों और कमीशन एजेंट के ठिकानों पर आईटी के अधिकारियों ने दबिश दी है, कार्रवाई में मिले दस्तावेजों के आधार पर इन कारोबारियों तथा कमीशन एजेंट से जुड़े दो दर्जन बड़े लोहा कारोबारी तथा स्टील फैक्ट्री संचालकों के बारे में अहम जानकारी हाथ लगी है।

दो साल से बोगस एंट्री का घोड़ा दौड़ा रहे थे

जिन कारोबारियों और कमीशन एजेंट के ठिकानों पर आईटी की टीम ने कार्रवाई की है। उनके ठिकानों से एक जनवरी 2018 से लेकर अब तक डेढ़ सौ करोड़ रुपए की बोगस एंट्री करने की जानकारी आईटी अफसरों के हाथ लगने की बात सूत्र बता रहे हैं। बोगस एंट्री अज्ञात लोगों के नाम से करने की भी बात सूत्र बता रहे हैं। बड़े पैमाने पर बोगस एंट्री की बात सामने आने के बाद आईटी के अफसर अब इन कारोबारियों के बैंक अकाउंट्स के माध्यम से लेन-देन की जानकारी निकाल सकते हैं। इसके बाद आईटी के अफसर आगे की कार्रवाई करेंगे।

एनएचएम की भर्ती में हुई थी मनमानी, न योग्यता देखी न अनुभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत हुई भर्ती में गड़बड़ी को आधार मानते हुए 10 स्टाफ नर्स और लैब टैक्निशियन की सेवाएं खत्म करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

खास बात
- हरिभूमि की खबर के बाद हुई थी जांच, सारे तथ्यों पर लगी मुहर

एनएचएम के तहत भर्ती की पूरी प्रक्रिया में ही गड़बड़ी की जांच रिपोर्ट में भी पुष्टि हुई है। डिप्टी कलेक्टर और मामले की जांच करने वाली समिति के अध्यक्ष की रिपोर्ट में यह पाया गया है कि एनएचएम की भर्ती में गंभीर अपराधिक त्रुटि की गई है। जांच रिपोर्ट में एक बार फिर 17 साल के नाबालिग भावेश कुमार फरिकार को नौकरी दिए जाने की पुष्टि हुई है। साथ ही जिले से बाहर के लोगों को भी पदस्थ किए जाने का उल्लेख किया गया है। इस बीच बड़ा सवाल भर्तियों में मनमानी कर अपनी जेब भरने वाले तत्कालीन अफसरों को लेकर भी खड़ा हुआ है। जांच रिपोर्ट में गंभीर गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। 10 लोगों की भर्ती को शून्य करने का आदेश जारी कर दिया गया है, लेकिन अब तक गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हरिभूमि ने दस्तावेजों के आधार पर यह खुलासा किया था कि एनएचएम की भर्ती में जबरदस्त गड़बड़ी की गई है। तत्कालीन कलेक्टर से 7 तरह के पदों पर भर्ती के लिए अनुमोदन लिया गया था। इसके बावजूद 21 तरह के पदों पर भर्ती कर दी गई थी। तब भर्ती में विभाग के अफसरों के परिजनों को पैसों का लेनदेन कर उपकृत करने का मामला भी सामने आया था। अब मामले की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद हरिभूमि की खबर पर मुहर तो लगी ही है।

टर्मिनेट करने में लगे 8 महीने

गड़बड़ियों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के अफसर महीनों तक गलत ढंग से भर्ती हुए लोगों को बचाने में लगे रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 15 जुलाई 2019 को कलेक्टर को प्रेषित जांच रिपोर्ट में ही कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी। इसके बावजूद अपात्रों को हटाने का आदेश 20 फरवरी 2020 को जारी किया गया। इस तरह जांच रिपोर्ट सामने आने के बावजूद अपात्रों को हटाने में पूरे 8 महीने का समय लग गया।

117 पर भी लटकी तलवार

एनएचएम के तहत 2018 में 7 तरह के पदों पर नियुक्तियां की जानी थी। तत्कालीन कलेक्टर से इसके लिए अनुमति लेने के बावजूद 21 तरह के पदों पर नियुक्ति की गई थी। इस तरह 118 लोगों की भर्ती एनएचएम में हुई थी। इनमें से 17 साल के नाबालिग ने मामले का खुलासा होने के महीनेभर में ही इस्तीफा दे दिया था। इस तरह अब भी 117 लोगों पर तलवाट लटकी हुई है। हालांकि जांच रिपोर्ट में बाकी को क्लीन चिट दे दिया गया है।

फर्जी सेल एग्रीमेंट बनाकर हड़पा मकान, जुर्म दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा के गली नंबर एक स्थित मृत महिला के मकान का फर्जी सेल एग्रीमेंट बनवाकर हड़पने वाले दो आरोपियों को तेलीबांधा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं, इस फर्जीवाड़े का मास्टर माइंड आरोपी रमेश तोलानी फरार है। शुक्रवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। टीआई मोहसिन खान ने बताया कि बिलासपुर की कश्यप कॉलोनी निवासी राजकुमार तोलानी और बजाज कॉलोनी न्यू राजेंद्रनगर निवासी जीवतराम तोलवानी को गिरफ्तार किया है।

खास बात
- दो गिरफ्तार, मास्टर माइंड फरार

ऐसे किया था फर्जीवाड़ा

पुलिस के मुताबिक तेलीबांधा गली नंबर एक निवासी मोहनी बाई ने अपने मकान को आरोपी अनिल कुमार तोलानी को किराए पर दिया था। इस दौरान उनकी मौत हो गई। मोहनी की मौत के बाद उनका बेटा अनिल कुमार रोचलानी मकान में रहने लगा। 10 नंबवर 2012 को अनिल की मौत हो गई। इस दौरान आरोपी रमेश ने मृतका के जिस मकान में जूता की दुकान खोली थी, उसका मृतका के नाम से बेचने का फर्जी सेल एग्रीमेंट तैयार किया, जिसमें रमेश ने अपने भाई राजकुमार और रिश्तेदार जीवतराम को गवाह बनाया। इसके बाद मकान पर कब्जा कर लिया। इसकी जानकारी लगने पर धमतरी निवासी सलामत बजाज ने कोर्ट में परिवाद दायर किया। रमेश द्वारा पेश किए सेल एग्रीमेंट की हैंडराइटिंग जांच कराई गई, जो फर्जी निकली। इसके बाद कोर्ट ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज करने आदेश दिया था।

सिंहदेव के घर आज जुटेंगे नेता

रायपुर। मंत्री टीएस सिंहदेव की माता राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की तेरहवीं में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राज्यपाल अनसुईया उईके समेत सरकार के मंत्री रविंद्र चौबे, मोहम्मद अकबर सहित अन्य मंत्री, कई पार्टी पदाधिकारी व सिंहदेव परिवार के शुभचिंतक जाएंगे। बताया गया है कि अमेरिका प्रवास से लौटे मुख्यमंत्री दिल्ली आने के बाद बेंगलुरु गए हैं। वहां से वे शनिवार को सीधे विशेष विमान से अंबिकापुर पहुंचेंगे। इधर रायपुर से राज्यपाल के साथ मंत्री श्री चौबे व श्री अकबर रवाना होंगे। सरकार के अन्य मंत्रियों के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। इधर प्रदेश कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी भी अंबिकापुर जाने की तैयारी में हैं। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया, डॉ. शिव डहरिया, रविंद्र चौबे, अमरजीत भगत, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, शैलेष नितिन त्रिवेदी भी अंबिकापुर जाकर शोक संतप्त परिवार से मिल चुके हैं।

खास बात
- राजमाता देवेंद्र कुमारी की तेरहवीं आज

खड़ी हाईवा से जा टकराई तेज रफ्तार बाइक

गीदम। एक बार फिर तेज रफ्तार ने बाइक सवार युवक पर अपना कहर ढाया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार एजुकेशन सिटी जावंगा के पास खड़ी हाइवा में तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पेट्रोल भरवाने निकला युवक लोरोघाट में मृत मिला

जशपुरनगर। थाना क्षेत्र दुलदुला के लोरोघाट में आज्ञात युवक की लाश मिली। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर विवेचना किया जा रहा है।

दुलदुला थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक विशाल रजक पिता जगदीश रजक उम्र 25 वर्ष ग्राम दुलदुला माझीटोली मोटर सायकल हीरोहोण्डा सुपर स्पेलेण्डर क्रमांक सीजी 14 बी 0504 है। बुधवार की शाम करीब 6 बजे दुलदुला से पतराटोली पेट्रोल पम्प बाइक में पेट्रोल भरवाने आया था। लेकिन मृतक रात तक घर नही लौटा। उसके घर नही लौटने से परेशान मृतक के घरवालों ने उसे ढूंढ़ना शुरू किया लेकिन गुरुवार तक रातभर पता नहीं चल पाया। गुरुवार शाम को परिजन को पता चला कि लोरो घाट में कोई एक्सीडेंट हुआ है जब परिजन लोरो घाट पहुंचे तो देखा युवक मृत पड़ा है। दुलदुला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और दुर्घटना से मौत समझकर मृतक के शव को मरच्यूरी में रखवा दिया।

हादसे में 1 की मौत, दूसरा गंभीर

जगदलपुर। कोण्टा थाना क्षेत्र के फंदीगुड़ा के करीब देर रात हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद भद्राचलम रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक सुकमा जिले के कोण्टा थाना क्षेत्र के फंदीगुड़ा के करीब यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है दो युवक देर रात बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे, इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। फिलहाल घायल युवक को उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया था जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए भद्राचलम रेफर कर दिया गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही कोण्टा पुलिस मौके पर पहुंच पंचानामा कार्रवाई के बाद शव पीएम के लिए मरच्यूरी भिजवाया। वहीं अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

- बेहतर उपचार के लिए भद्राचलम रेफर

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक : प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-271016, फैक्स : 07752-271018. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com